

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 16 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 7 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 70 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ लोकतंत्र की प्राणवायु है स्वतंत्र प्रेस

शिल्पा शेट्टी के नए शो में खुलेगा रिश्तों का 'प्रेशर कुकर' ◂◂ 6

उगते सूर्य को 'उषा अर्घ्य' के साथ संपन्न हुआ लोकआस्था का महापर्व छठ

प्रधानमंत्री ने दी बधाई, बताया- 'दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम'

एजेंसी

नई दिल्लीः लोकआस्था और प्रकृति की उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा सोमवार, 16 नवंबर 2026 को 'उषा अर्घ्य' (उगते सूर्य को अर्घ्य) के साथ अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हो गया। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने इस महापर्व की महिमा का बखान करते हुए इसे दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का एक अद्भुत संगम करार दिया।

सोमवार तड़के से ही देश भर के विभिन्न छठ घाटों, पवित्र नदियों के किनारों और तालाबों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कमर तक पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर (सूर्य देव) की पहली किरण को अर्घ्य अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

पीएम मोदी ने छठ पूजा की दी बधाई दीः सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर पीएम मोदी ने कहा, उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही, महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान आज संपन्न हुआ। प्रकृति को समर्पित इस पावन पर्व में दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला। उन्होंने आगे कहा, मैं छठी मैया से प्रार्थना करता हूं कि वे व्रत रखने वाले सभी श्रद्धालुओं और देश भर के मेरे परिवारजनों पर अपनी कृपा बनाए रखें। चार दिवसीय इस त्योहार के अंतिम दिन, जब श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को 'अर्घ्य' दिया, तो देश भर के कई राजनीतिक नेताओं ने भी छठ पूजा के उत्सव में हिस्सा लिया।



बिहार के पटना में, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने सिर पर 'दौरा' (बांस की टोकरी) उठाए नजर आए, जबकि उनकी पत्नी दीपमाला ने छठ पूजा की रस्में निभाईं। मुंगेर में, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक घाट पर पहुंचकर सुबह का 'अर्घ्य' दिया और उगते सूर्य की पूजा की। छत्तीसगढ़ के जशपुर में, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी पत्नी के साथ इस उत्सव में भाग लिया और उगते सूर्य को 'अर्घ्य' अर्पित किया।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में, बीजेपी सांसद रवि किशन ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित भीम सरोवर में सुबह का 'अर्घ्य' दिया। वहीं, दिल्ली में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने त्योहार के समापन दिवस पर सोनिया विहार घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और पूजा-अर्चना की।

छठ पूजा 2026: उषा अर्घ्य: सोमवार को, छठ पूजा के आखिरी दिन, देशभर में श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के समय सूर्य देव को 'उषा अर्घ्य' (सुबह की प्रार्थना) अर्पित किया। 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत (बिना पानी के उपवास) के बाद, श्रद्धालु नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों में खड़े हुए और सूर्य की पहली किरणें दिखाई देते ही प्रार्थना की। उन्होंने अपने बच्चों और परिवारों के स्वास्थ्य, खुशी और कल्याण के लिए प्रार्थना की।

उषा अर्घ्य छठ पूजा की सबसे महत्वपूर्ण रीतियों में से एक है। यह त्योहार डूबते और उगते सूर्य की उपासना को समर्पित है। रविवार शाम को 'संध्या अर्घ्य' दिया जाता है, जिसमें डूबते सूर्य के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। वहीं, सोमवार को दिया जाने वाला 'उषा अर्घ्य' नई सुबह के स्वागत और उगते सूर्य को नमन करने का प्रतीक है।

श्रद्धालु सुबह-सुबह पारंपरिक पूजा सामग्री लेकर नदियों के किनारे, तालाबों और अन्य जलाशयों पर एकत्र हुए। सूर्योदय के समय, वे पानी में खड़े हुए और निर्धारित विधियों का पालन करते हुए भगवान सूर्य को जल और दूध अर्पित किया।

सुबह की प्रार्थनाओं के साथ-साथ छठी मैया की पूजा की गई, परिवार के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थनाएं की गईं, और पारंपरिक छठ गीत गाए गए। घाटों पर परिवारों और श्रद्धालुओं के समूह इकट्ठा हुए, जिससे वहां एक भक्तिमय माहौल बन गया। इस दौरान उगते सूर्य को अंतिम अर्घ्य दिया गया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन सूर्य देव और छठी मैया की पूजा करने से परिवार में सुख, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य आता है। श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ इन रीतियों का पालन करते हैं और अपने प्रियजनों के लिए आशीर्वाद मांगते हैं। उषा अर्घ्य और अन्य रीतियां पूरी करने के बाद, व्रत रखने वाले लोग अपने बड़ों और परिवार के सदस्यों का आशीर्वाद लेते हैं और फिर छठ प्रसाद ग्रहण करके अपना व्रत खोलते हैं। पारिवारिक परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का समापन होता है। इसके साथ ही चार दिनों तक चलने वाला यह त्योहार और 36 घंटे का कठिन उपवास संपन्न हो जाता है।

लोहरदगा के भंडरा में दोहरे हत्याकांड से मची सनसनी

अवैध संबंध के शक में पति ने पत्नी और कथित प्रेमी की टांगी से की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता

लोहरदगा : जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के भंडरा गांव में रविवार रात करीब 11 बजे दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। पति पर अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी पूजा देवी (31) और उसके कथित प्रेमी रोहित कुमार (32), पिता भूषण साव, निवासी पटना (बिहार) की टांगी से हत्या करने का आरोप है। हमले में महिला का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि युवक के चेहरे पर भी टांगी से वार किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी पति सोनू लहरी (38), पिता स्वर्गीय तारणि लहरी, निवासी भंडरा को गिरफ्तार कर लिया है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का सायाः इस घटना का सबसे दुखद पहलू परिवार के दो मासूम बच्चे हैं, जिनकी उम्र करीब सात और दस वर्ष बताई जा रही है। मां की हत्या और पिता की गिरफ्तारी के बाद दोनों बच्चों के सामने गंभीर पारिवारिक संकट खड़ा हो गया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और चिंता का माहौल है। सूचना मिलते ही भंडरा थाना प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता, एसआई रविकांत कुमार, एसआई रामदेव राय और एएसआई शाकिर अली पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू की। दोनों शवों को लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे की वास्तविक वजह और अन्य परिस्थितियों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।



पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहा था विवाद

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच कथित अवैध संबंध को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि दोनों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा था। पत्नी द्वारा पति के साथ नहीं रहने की बात भी सामने आई थी। बताया जा रहा है कि रविवार रात सोनू लहरी अपने दोनों बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सोया हुआ था, जबकि उसकी पत्नी पूजा देवी दूसरे कमरे में रोहित कुमार के साथ मौजूद थी। इसी दौरान कथित तौर पर दोनों को एक साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर पति ने गुस्से में आकर टांगी से हमला कर दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई।

जैक का बड़ा फैसलाः मैट्रिक-इंटर परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी वापस, 7.50 लाख छात्रों को मिली राहत

संवाददाता

रांचीः झारखंड के मैट्रिक और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा के लिए बढ़ाए गए परीक्षा शुल्क को वापस लेने का फैसला किया है। अब विद्यार्थियों से वर्ष 2025 में निर्धारित दर के अनुसार ही परीक्षा शुल्क लिया जाएगा। जैक के इस निर्णय से राज्य के करीब 7.50 लाख विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

दरअसल, जैक ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 के लिए परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी की थी। पिछले दो वर्षों के दौरान परीक्षा शुल्क में करीब 40 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी थी। पिछले वर्ष शुल्क में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि इस वर्ष फिर करीब 10 प्रतिशत शुल्क बढ़ा दिया गया था। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा था।



परीक्षा शुल्क में लगातार हो रही बढ़ोतरी का मामला 12 नवंबर को प्रमुखता से उठाया गया था। इसके बाद जैक ने अपने फैसले पर पुनर्विचार करते हुए बढ़ी हुई दरों को वापस लेने का निर्णय लिया। संशोधित व्यवस्था के तहत अब नियमित और निजी श्रेणी के विद्यार्थियों को पुरानी दरों पर ही परीक्षा शुल्क जमा करना होगा। इस फैसले से मैट्रिक के लगभग 4.25 लाख और इंटरमीडिएट के करीब 3.25 लाख विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

26 नवंबर तक बिना विलंब शुल्क जमा होगा परीक्षा फॉर्मः जैक की ओर से मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विद्यार्थी बिना विलंब शुल्क के 26 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म भरने के साथ निर्धारित शुल्क जमा कर सकेंगे। वहीं, विलंब शुल्क के साथ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित की गई है।

विद्यार्थी जैक की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क में संशोधन से संबंधित जानकारी भी जैक की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है बोर्ड परीक्षाः मैट्रिक और इंटरमीडिएट की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। परीक्षा शुल्क में की गई बढ़ोतरी वापस लेने के फैसले से विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों को भी आर्थिक राहत मिली है।

फाजिल्का-फिरोजपुर मार्ग पर पिकअप और क्रूजर की टक्कर, 3 बच्चों समेत 5 की मौत, 11 घायल

फाजिल्काः पंजाब के फाजिल्का-फिरोजपुर राजमार्ग पर गांव थेह कलंदर के निकट रविवार रात पिकअप और क्रूजर वाहन की भिडंत में तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक महिला और वाहन का चालक भी शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जलालाबाद क्षेत्र के गांव टिवाणा का एक परिवार फाजिल्का जिले के गांव करणीखेड़ा में शादी समारोह में शामिल होने के बाद क्रूजर वाहन से घर लौट रहा था। कल रात करीब आठ बजे गांव थेह कलंदर के पास वाहन की सामने से आ रही पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। घायलों को फाजिल्का के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेडिकल अधिकारी डॉ. अमित राज लांबा के अनुसार, हादसे के बाद कुल 16 लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें पांच की मौत हो चुकी थी और 11 घायल थे। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर उपचार के लिए फरीदकोट मेडिकल कॉलेज सहित अन्य अस्पतालों में भेजा गया।

यूपी विस चुनाव 2027 : कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान, बोले-

'जो पार्टी जीतने की स्थिति में होगी, उसे ही मिलेगा टिकट'

एजेंसी

लखनऊः उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीट-बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया है। मैनपुरी में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ेगी और टिकट वितरण का मुख्य आधार केवल और केवल उम्मीदवार या पार्टी की जीत की संभावना ('विनेबिलिटी') होगी।

अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं और मंगलवार, 17 नवंबर को दोनों पार्टियों के बीच एक अहम बैठक प्रस्तावित है।

मैनपुरी में बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा, कांग्रेस पार्टी के साथ हमारी बातचीत आगे बढ़ेगी। हम हर पहलू पर विस्तार से चर्चा करेंगे। मैं फिर दोहराता हूं कि दोनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी कि कौन सी पार्टी जीतने की स्थिति में है। जिस पार्टी के पास सीट जीतने का बेहतर मौका होगा, उसे वह सीट दे दी जाएगी।



इससे पहले, यादव ने बताया था कि अगले साल की शुरूआत में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे के समझौते के तहत कांग्रेस ने 181 सीटों की मांग की है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि 'इंडिया' गठबंधन एकजुट है और इस गठबंधन का मुख्य लक्ष्य सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना है।

कांग्रेस खड़गे के आवास पर यूपी चुनावों को लेकर एक अहम बैठक करेगीः कांग्रेस सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक करने जा रही है। इस बैठक में 2027 के चुनावों के लिए विधानसभा क्षेत्रवार तैयारियों, सीट-बंटवारे और राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठक में राहुल गांधी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद शामिल होंगे।

यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 17 नवंबर को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत होनी है। इस बातचीत में राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों के लिए कांग्रेस की कथित मांग पर भी चर्चा होने की संभावना है।

सपा का ध्यान जाति-आधारित लामबंदी परः इस बीच, विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों ने विभिन्न जाति समूहों को एकजुट करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। रविवार को आगरा में समाजवादी पार्टी ने एक दलित सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें अखिलेश यादव शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बीजेपी का राजनीतिक आधार खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मकसद सिर्फ बीजेपी को हराना नहीं, बल्कि उसे राजनीति से हमेशा के लिए खत्म करना है।

इस बीच, एसबीएसपी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने आगरा में आयोजित एसपी के दलित सम्मेलन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के कार्यकाल के दौरान, दलितों पर अत्याचार, बड़े पैमाने पर लूटपाट और उनकी जमीनों पर अवैध कब्जे के लिए पार्टी के अपने ही नेता जिम्मेदार थे।

अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर क्या समझौता होता है। इससे पहले, एसपी के एक सांसद की टिप्पणी ने भी सबका ध्यान खींचा था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उत्तर प्रदेश चुनावों में कांग्रेस को 100 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

---

12 करोड़ की ज्वेलरी चोरी मामले में झारखंड गैंग का सदस्य गिरफ्तार, छह आरोपी अब भी फरार

-कटनी पुलिस ने कोलकाता रेलवे स्टेशन के पास से बदरुद्दीन शाह को दबोचा, आठ दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया

संवाददाता

रांचीः मध्य प्रदेश के कटनी स्थित किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी शोरूम में हुई 12 करोड़ रुपये की सनसनीखेज चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वारदात को अंजाम देने वाले झारखंड गैंग के एक सक्रिय सदस्य को कटनी पुलिस ने कोलकाता रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान झारखंड के साहिबगंज जिले के निवासी बदरुद्दीन शाह (48) के रूप में हुई है। रविवार को अदालत ने उसे आठ दिनों की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया।

मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज से मिला सुरागः कटनी के एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि चोरी की साजिश में झारखंड गैंग के कुल सात सदस्य शामिल थे। वारदात से पहले बदरुद्दीन कटनी के अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों की भी रेकी कर रहा था। उसकी संदिग्ध गतिविधियां सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थीं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसका पीछा किया और कोलकाता रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।



दीवार तोड़कर अंदर घुसने में की थी मददः पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि बदरुद्दीन की मुख्य भूमिका शोरूम की पिछली दीवार में छेद कर अंदर प्रवेश करने और अन्य साथियों की मदद करने की थी। हालांकि, वारदात के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों ने उसे चोरी के जेवरात में हिस्सा नहीं दिया। इस कारण फिलहाल उसके पास से कोई आभूषण बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने गिरोह के अन्य छह फरार सदस्यों की पहचान कर ली है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। ऐसे दिया था 12 करोड़ की चोरी को अंजामः गिरोह ने 12 नवंबर को कटनी के बरगवां स्थित शोरूम की पिछली ईंट की दीवार में करीब 1.75 फीट का छेद किया था। दीवार तोड़ते समय ईंटों के गिरने की आवाज दबाने के लिए चोरों ने नीचे पत्ते बिछा दिए थे। जांच में पता चला कि चोरी में इस्तेमाल किए गए पेचकस और पाना मुंबई से खरीदे गए थे, जबकि गैस कटर और ऑक्सीजन सिलेंडर कटनी से जुटाए गए थे। वारदात के बाद पुलिस ने शोरूम के पीछे लाल पहाड़ी के पास से गैस कटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए थे।

न्यूज IN ब्रीफ

बिरसा मुंडा की जयंती पर झारखंड यूथ क्रांति संघ ने दी श्रद्धांजलि



रांची : झारखंड यूथ क्रांति संघ की ओर से कोकर स्थित डिक्शनरी पुल के समीप धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर उनकी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष नमित हेमरोम ने की। इस दौरान राजन गोस्वामी, विशाल सिंह, पवन वर्मा, सूरज करकेट्टा, आकाश कुमार शर्मा, छोटू राज वर्मा, अमन मुंडा, अजय नायक, अजय मुंडा, अभिषेक टोप्पो, अंबर कुमार लाल समेत संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बांसारुली पंचायत भवन में मनी बिरसा मुंडा जयंती, उनके संघर्ष और विचारों को किया याद



मुरी : बांसारुली पंचायत भवन में 15 नवंबर को नागरिक अधिकार सुरक्षा मंच की ओर से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष महेश्वर मंडल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा शोषण के खिलाफ चलाए गए विभिन्न आंदोलनों की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय के प्रति उनका समर्पण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर ज्योति प्रसाद साहू, अशोक कुमार चौधरी, पदमलोचन महतो, बैद्यनाथ महतो, अमूल्य रत्न बेदिया, चिरंजीवी सिंह मुंडा, अनंत सिंह मुंडा एवं शंकर महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने बिरसा मुंडा के विचारों और सिद्धांतों को अपनाने के साथ शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

विद्यार्थियों को अब तक नहीं मिली साइकिल, विधायक ने लिया संज्ञान



मुरी: राहे प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय लोवाहातू एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोलमा के विद्यार्थियों को अब तक सरकारी साइकिल योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। जबकि प्रखंड के अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया जा चुका है। दोनों विद्यालयों के छात्र लंबे समय से साइकिल मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

इस समस्या को लेकर दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पूर्व में छात्र नेता राजू महतो से मुलाकात कर अपनी परेशानी बताई थी। विद्यार्थियों ने बताया कि साइकिल नहीं मिलने के कारण उन्हें आवागमन में परेशानी हो रही है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापकों ने जानकारी दी कि साइकिल वितरण के लिए विद्यार्थियों की सूची संबंधित विभाग को उपलब्ध करा दी गई है। इसके बावजूद अब तक बच्चों को साइकिल नहीं मिली है। छात्र नेता राजू महतो ने इस मामले की जानकारी सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो को दी। विधायक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से बातचीत की और विद्यार्थियों को जल्द साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सरना स्थल का होगा घेराबंदी व सौंदर्यीकरण, विधायक ने किया शिलान्यास



मुरी: कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के मंत्री चमरा लिंडा की पहल पर राहे प्रखंड के कटेयाडीह में सरना स्थल की घेराबंदी एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया गया। सिल्ली विधायक अमित महतो की उपस्थिति में मोहम्मद सहचरी देवी ने विधिवत शिलान्यास किया। इस योजना पर 24 लाख 95 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। करीब 21 डिसमिल जमीन पर यह निर्माण कार्य कराया जाएगा। इस अवसर पर विधायक अमित महतो ने कहा कि सरकार का उद्देश्य झारखंड के गांव-गांव तक विकास योजनाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। सरना स्थल की घेराबंदी और सौंदर्यीकरण से ग्रामीणों में खुशी है। इस कार्य की जिम्मेदारी लितेश्वर लाल मुंडा को सौंपी गई है। कार्यक्रम में बुंडू डीएसपी, ग्राम प्रधान शिवनाथ पाहन, प्रिया कुमारी, शकुंतला देवी, अल्का देवी, लतिका देवी, ललिता देवी, शुकरू देवी, बिंदेश्वरी, सोमवारी, मगरी देवी, एतवारी देवी, सहमनी देवी, धनेश्वरी देवी, प्रखंड अध्यक्ष पशुपति अहीर, सनातन मुंडा, देवनाथ महतो, पूर्व मुखिया संतोष मुंडा, अशोक मुंडा, रेफाल मुंडा, नवीन भोक्ता, देवधन पातर मुंडा, महावीर मुंडा, बिहारी मुंडा, रामेश्वर पाहन, पवन मुंडा, सुरेश मिली समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व संपन्न, नदी-तालाब घाटों पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

संवाददाता





खूंटी : लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। छठ महापर्व को लेकर पूरे खूंटी जिले में भक्तिमय वातावरण बना रहा। सोमवार की अहले सुबह से ही शहर के विभिन्न छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ऐतिहासिक चौधरी तालाब, साहू तालाब, राजा तालाब और नाबा तालाब सहित विभिन्न नदी एवं तालाब घाटों पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कड़ाके की ठंड और सुबह की कनकनी के बावजूद छठ व्रतियों के उत्साह और श्रद्धा में कोई कमी नहीं दिखी। पारंपरिक परिधानों में सजे व्रती पूरे विधि-विधान और निष्ठा के साथ घाटों पर पहुंचे। इसके बाद पवित्र जलाशयों में कमर तक पानी में खड़े होकर उदीयमान सूर्य की आराधना की और भगवान भास्कर को दूध एवं जल से अर्घ्य अर्पित किया। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्य की पहली लालिमा दिखाई दी, पूरा वातावरण छठी मैया की जय के जयकारों और पारंपरिक छठ गीतों से गूंज उठा। 'कांच ही बांस के बहंगिया' और 'उगा हो सुरुज देव' जैसे पारंपरिक गीतों ने घाटों पर भक्तिमय माहौल को और भी भावपूर्ण बना दिया। इस दौरान व्रतियों ने भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य और संतान की मंगलकामना की। घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी पूरे भक्तिभाव से पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। नदी और तालाब घाटों पर उमड़ी भीड़ के बीच चारों ओर आस्था, अनुशासन और सामाजिक एकजुटता का नजारा देखने को मिला।

छठ महापर्व के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और स्थानीय छठ पूजा समितियों की ओर से व्यापक तैयारियां की गई थीं। प्रमुख घाटों, विशेषकर चौधरी तालाब और साहू तालाब के आसपास साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत संपन्न किया। इसके पश्चात पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया गया। श्रद्धालुओं के बीच ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद का वितरण भी किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। इस प्रकार खूंटी में छठ महापर्व श्रद्धा, भक्ति और आपसी सौहार्द के वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया।

रैकेट पर भारी पड़ी यशस्वी की प्रतिभा जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण



जिला स्तरीय खेल महोत्सव-2026 के अंडर-14 बालिका वर्ग में बनीं चैंपियन, टीसीआई डीएवी स्कूल में खुशी की लहर

रांची : प्रतिभा जब मेहनत और अनुशासन का साथ पाती है, तो सफलता की नई इबारत लिखती है। इसका उदाहरण टीसीआई डीएवी स्कूल, जम्हार की छात्रा यशस्वी यशी ने पेश किया है। जिला स्तरीय खेल महोत्सव-2026 के तहत 12 से 14 नवंबर तक आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर-14 बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में यशस्वी ने अपने खेल कौशल, फुर्ती, आत्मविश्वास और रणनीतिक समझ का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी लखिमणी मुंडा को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

यशस्वी की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी की लहर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्यालय के खेल शिक्षक एवं प्रशिक्षक नागेंद्र कुमार महतो ने कहा कि यशस्वी की जीत नियमित अभ्यास, कठिन परिश्रम, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि उचित मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास से यशस्वी भविष्य में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं, खेल प्रशिक्षक नागेंद्र कुमार महतो सहित समाजसेवी सीमा देवी, बासुदेव महतो, सुरेंद्र गोप, आराधना कुमारी, आध्या, आराध्य कुमारी, अभिमन्यु कुमार, ललिता देवी, रुचि कुमारी, अकलेश्वर महतो, डॉ. रीझू नायक, रमेश कुमार, मनोहर कुमार सुमन, सुधांशु शेखर एवं शीला कुमारी समेत अन्य लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वर्णरेखा घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब



संवाददाता

मुरी : लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और उल्लास के माहौल में संपन्न हो गया। व्रतियों ने सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद घाटों पर ही श्रद्धालुओं के बीच छठ का प्रसाद वितरित किया गया।

मुरी स्थित स्वर्णरेखा नदी छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। झारखंड और बंगाल की सीमा पर स्थित होने के कारण नदी के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। शाम की अपेक्षा सुबह के अर्घ्य के दौरान श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ देखने को मिली। लोगों ने उगते सूर्य का दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

इसके अलावा सिल्ली के साहेब बांध और उरंगढ़ा नदी घाट पर भी छठ व्रतियों ने पूजा-अर्चना की। प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से सड़कों से लेकर घाटों तक श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखा गया। इस दौरान ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष तपेश्वर केशरी, कार्यकारी अध्यक्ष रमण साहू, महामंत्री सहित समिति के अन्य सदस्य व्यवस्था में जुटे रहे।

अर्बन हाट में नशेड़ियों का जमावड़ा एसएसपी को आता देख फरार

रांची : महापर्व छठ को लेकर रांची में पुलिस-प्रशासन की सुरक्षा तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में स्थानीय लोगों से मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एसएसपी शनिवार को टीम के साथ गोंदा थाना क्षेत्र स्थित अर्बन हाट पहुंचे। एसएसपी ने मुख्य मार्ग को छोड़कर अचानक सुरक्षाकर्मियों के साथ झाड़ियों के रास्ते होते हुए पास ही स्थित अर्बन हाट की निमार्णाधीन इमारत की ओर रुख किया। बताया गया कि इस सुनसान परिसर का लाभ उठाकर अक्सर असामाजिक तत्व यहां जुटते हैं। नशेबाजी और अड्डेबाजी करने के साथ आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की साजिश भी रची जाती है, जिससे आसपास के लोगों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना रहता है। अचानक पुलिस टीम को आता देख वहां मौजूद नशेड़ी और असामाजिक तत्व बाइक व अन्य सामान छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से बरामद बाइक व नशे की सामग्री को जब्त कर लिया है।मौके पर मौजूद अव्यवस्था और असामाजिक तत्वों की सक्रियता को देख एसएसपी ने संबंधित थाना प्रभारी को फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया कि इलाके में किसी भी कीमत पर अड्डेबाजी व नशे का जमावड़ा नहीं लगना चाहिए। एसएसपी ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में इस क्षेत्र से दोबारा ऐसी शिकायतें मिलीं, तो सीधे संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जयंती पर श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किए गए बिरसा मुंडा

मुरी : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे एम्प्लाइज एसोसिएशन की हटिया शाखा की ओर से एसोसिएशन कार्यालय, हटिया में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा सचिव लालदेव उरांव ने की। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

मौके पर डिविजनल सेक्रेटरी बिनोद उरांव, मंडल कार्यकारी अध्यक्ष रवि तिर्की, मुरी शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष निरंजन बाघवार, कोषाध्यक्ष राणा मुंडा, शाखा सचिव लालदेव उरांव, हेमंत उरांव, अशोक सुरीन, मोहन मुंडा, रणजीत उरांव एवं एजी मिंज समेत अनेक सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर धरती आबा को नमन किया।

इस अवसर पर संगठन को अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से तय



किया गया कि अगले वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का आयोजन रेलवे सामुदायिक भवन, हटिया में भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से किया जाएगा। इसके साथ ही महिला विंग और 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए यूथ विंग का गठन करने का निर्णय लिया गया, ताकि महिला नेतृत्व और युवा शक्ति को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शाखा पदाधिकारियों की नियुक्ति योग्यता, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण के आधार पर होगी। संगठन का संचालन जोनल गाइडलाइन के अनुरूप किया जाएगा।

19 से बदलेगा झारखंड का मौसम, दक्षिणी जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, 19 नवंबर से राज्य के दक्षिणी और उससे सटे मध्यवर्ती इलाकों में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। 19 और 20 नवंबर को कई जिलों में गरज के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, कुछ स्थानों पर भारी बारिश और वज्रपात की आशंका भी जताई गई है। हालांकि, 18 नवंबर तक मौसम को लेकर कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सुबह कोहरा, दोपहर में साफ रहेगा आसमानः राज्य के अधिकांश हिस्सों में इन दिनों सुबह हल्के कोहरे और कुहासे का असर देखने को मिल रहा है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ हो जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 नवंबर को भी सुबह कोहरा छाया रह सकता है, जबकि दोपहर और शाम के समय आंशिक बादल देखने को मिलेंगे।

वहीं, 18 नवंबर को सुबह कोहरा रहने और दोपहर में आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। शाम के समय कुछ इलाकों में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 19 नवंबर से मौसम में बदलाव का असर अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगेगा। इस दिन राज्य के कई हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम समेत इन



जिलों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, 19 नवंबर से बारिश का सबसे अधिक असर दक्षिण-पूर्वी झारखंड में देखने को मिल सकता है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां समेत आसपास के जिलों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है।20 नवंबर को भी राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान दक्षिणी झारखंड और उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम में इस बदलाव के बाद सप्ताह के अंतिम दिनों में तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ने की संभावना है।चाईबासा में 31.4 डिग्री रहा अधिकतम तापमानः बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के तापमान में कोई विशेष बदलाव दर्ज नहीं किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, कोडरमा में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा जमशेदपुर और डालटनगंज में 30.8 डिग्री, बोकारो में 29.1 डिग्री तथा राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न

चडरी सरना समिति छठ घाट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब
भव्य गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां





मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर चडरी सरना समिति छठ घाट पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। इस दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में छठव्रतियों और श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की।

छठ महापर्व को लेकर चडरी सरना समिति छठ घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। छठव्रतियों की सुविधा और श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए समिति की ओर से विशेष तैयारियां की गई थीं। सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के दौरान पूरा घाट छठी मइया के पारंपरिक गीतों, भक्तिमय जयकारों और धार्मिक उत्साह से गूंज उठा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य गंगा आरती रही। दीपों की जगमगाती रोशनी और मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई आरती ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु इस मनोरम दृश्य को देखकर भावविभोर हो उठे। वहीं, छठ महापर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को विशेष बनाने के लिए रातभर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलाकारों ने लोक संस्कृति, परंपरा और भक्ति संगीत पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां देकर लोगों का मन मोह लिया। देर रात तक श्रद्धालु कार्यक्रमों का आनंद लेते रहे।

इस भव्य आयोजन में कई गणमान्य अतिथियों ने भी शिरकत की। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, रांची के विधायक सीपी सिंह तथा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव कार्यक्रम में शामिल हुए। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत और अभिनंदन किया।

इस मौके पर चडरी सरना समिति के मुख्य संरक्षक जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष सबलू मुंडा सहित समिति के तमाम पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। समिति की ओर से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों, श्रद्धालुओं और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

चडरी सरना समिति छठ घाट पर आयोजित इस भव्य आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता और झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संदेश दिया। श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी, भव्य गंगा आरती और रातभर चले सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने छठ महापर्व के उल्लास को यादगार बना दिया।

छठ महापर्व संपन्न, श्रद्धा और भक्ति में सराबोर दिखे श्रद्धालु

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव से संपन्न हो गया। इस अवसर पर रांची के सिमलिया, रातू निवासी एवं राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की धर्मपत्नी समाजसेवी रूबी सिंह ने पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ छठ व्रत किया।

इस अवसर पर रूबी सिंह ने कहा कि छठ महापर्व हमारी संस्कृति, परंपरा, आस्था और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य के साथ समाज एवं राज्य की उन्नति की कामना करते हैं। वहीं, राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने भगवान भुवन भास्कर और छठी मइया से समस्त लोगों के सुख, समृद्धि, शांति और प्रगति की कामना की।



उन्होंने कहा कि छठी मइया सभी श्रद्धालुओं और राष्ट्रप्रेमियों पर अपनी कृपा बनाए रखें तथा सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करें।

सुनील सिंह ने कहा कि शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हुआ। पर्व के दूसरे दिन छठव्रती खरना का अनुष्ठान करते हैं। इस दौरान स्नान के बाद पूजा-अर्चना कर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार किया जाता है। पारंपरिक रूप से आम की लकड़ियों का इस्तेमाल कर प्रसाद बनाया जाता है। इसके बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला उपवास रखते हुए अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि छठ पूजा सूर्य, उषा, प्रकृति, जल, वायु और छठी मइया को समर्पित महान लोकपर्व है। इसमें मूर्ति पूजा के बजाय प्रकृति और सूर्य की उपासना की जाती है। पर्व के अनुष्ठान अत्यंत कठिन होते हैं, जिनमें पवित्र स्नान, उपवास, निर्जला व्रत, जलाशयों में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देना और विशेष प्रसाद अर्पित करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व सामाजिक समानता और समरसता का भी प्रतीक है। इसमें जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति का कोई भेदभाव नहीं होता। अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का अंतर मिटाकर सभी लोग एक साथ पर्व मनाते हैं। इससे समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकजुटता मजबूत होती है।

ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति ने जताया आभार

रांची : छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार, 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन हो गया। इस अवसर पर रांची ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति ने महापर्व के सफल सामूहिक आयोजन को लेकर सभी छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समिति के अध्यक्ष तपेश्वर केशरी, कार्यकारी अध्यक्ष रमण साहू और महामंत्री बीरेन्द्र साहू ने संयुक्त रूप से जारी संदेश में रांची ग्रामीण क्षेत्र के सभी छठव्रतियों, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया।समिति ने छठ घाटों पर सेवा शिविर लगाने वाली आयोजन समितियों के सक्रिय सदस्यों के साथ स्थानीय पुलिस, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत वितरण विभाग तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि इन सभी लोगों ने अपने परिवार से दूर रहकर छठ महापर्व के दौरान पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं दीं। उनके सहयोग से महापर्व का सामूहिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति ने सभी सहयोगियों को सम्मान देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं और अभिनंदन किया।

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर समाधि स्थल पर दी गई श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर रविवार, 15 नवंबर को केंद्रीय सरना समिति, जनजाति सुरक्षा मंच, क्षेत्रीय सरना समिति, भगवान बिरसा मुंडा स्मारक न्यास समिति, कांके तथा झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बाजे-गाजे के साथ कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पहुंचे। यहां सभी ने पुष्प अर्पित कर धरती आबा को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने गौरवशाली इतिहास और समृद्ध आदिवासी संस्कृति के प्रतीक



भगवान बिरसा मुंडा की जयंती नहीं मनाकर उनकी विरासत की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि झारखंड गठन के 26 वर्षों के इतिहास में पहली बार राज्य स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की तिथि में बदलाव किया गया है, जो राज्य के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड के सभी वर्गों के लोग इसका करारा जवाब देंगे।

जनजाति सुरक्षा मंच के संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के शोषण, दोहन और अत्याचार के खिलाफ उलगुलान का बिगुल फूंका था। उन्होंने विक्टोरिया राज सेनोताना और अबुआ राज हेजोताना का नारा देकर स्वशासन और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी भगवान बिरसा मुंडा के विचार और आदर्श पूरी तरह प्रासंगिक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज और राज्य का विकास संभव है। मुखिया सोमा उरांव ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती, झारखंड राज्य स्थापना दिवस की 26वीं वर्षगांठ और लोक आस्था के महापर्व छठ को एक साथ मनाना चाहिए था।

छठ व्रतियों की सेवा में सीपीसी एंड कंपनी अकाउंट सॉल्यूशन एंड सर्विस की अनूठी पहल

सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच बांटा फल दूध और चाय

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर डुमरदगा बूटी मोड़ जुमार पुल के पास सीपीसी एंड कंपनी अकाउंट सॉल्यूशन एंड सर्विस की ओर से सराहनीय सामाजिक पहल की गई। केंद्र के संचालक चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में सैकड़ों छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क फल दूध और चाय का वितरण किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अनन्या कुमारी किया।

इस अवसर पर जुमार होटल के ओनर शशांक शेखर ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, अनुशासन और लोक कल्याण का प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति, सूर्य देव और जल के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ-साथ आपसी भाईचारे एवं सामाजिक एकता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार के अवसर पर श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। सीपीसी एंड कंपनी अकाउंट सॉल्यूशन एंड सर्विस की यह



पहल समाज में सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करेगी। वहीं सीपीसी एंड कंपनी अकाउंट सॉल्यूशन एंड सर्विस के संचालक चंद्र प्रकाश ने कहा कि छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को देखते हुए सेवा भाव से निःशुल्क वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के माध्यम से छठ व्रतियों को पूजा की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर सहयोग करने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में कामेश्वर प्रसाद, देव प्रकाश, सौरभ सिंह, रंजीत कुमार, लालचंद महतो, आलोक तिवारी, राहुल कुमार, सूरज कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

माहेश्वरी समाज का दीपावली मिलन समारोह, 101 दीपों से हुई महाआरती

- भजन-कीर्तन और अन्नकूट महाप्रसाद का आयोजन, गौ माता की मूर्ति स्थापित, जनवरी में होगी माहेश्वरी प्रीमियर लीग

संवाददाता

रांची : श्री माहेश्वरी सभा, रांची की ओर से रविवार, 15 नवंबर को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में दीपावली मिलन, भजन-कीर्तन एवं अन्नकूट महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के परिवारों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं निवर्तमान अध्यक्ष किशन साबू ने बताया कि अनुष्ठान की शुरूआत सुबह 10:30 बजे माहेश्वरी भवन में स्थापित संस्थापक स्वर्गीय गणेशनारायण साबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन मंडली के सदस्य विभोर डागा, मनोज काबरा, अंकुर डागा, सर्वेश माहेश्वरी और नितेश लाखोटिया ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इस दौरान 101 दीपों से सामूहिक



महाआरती की गई।कार्यक्रम के दौरान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में गौ माता की मूर्ति की स्थापना भी की गई। आयोजकों ने इसे गौ सेवा और भारतीय संस्कृति के प्रति समाज की आस्था का प्रतीक बताया। मंदिर सभागार में सदस्यों के सहयोग से दीपदान कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें करीब 250 लोगों ने हिस्सा लिया। 8 से 10 जनवरी तक होगी माहेश्वरी प्रीमियर लीगः कार्यक्रम के दौरान माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से माहेश्वरी प्रीमियर लीग की विधिवत घोषणा की गई और प्रतियोगिता के फॉर्म का अनावरण किया गया। युवा संगठन के अध्यक्ष उत्सव मंत्री, सचिव हर्षित चितलांगिया, श्री माहेश्वरी सभा के सचिव मनोज कल्याणी और उपाध्यक्ष गोवर्धन भाला ने संयुक्त रूप से इसकी घोषणा की।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व संपन्न, डोरंडा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- आलोक कुमार दूबे बोले- छठ केवल पूजा नहीं, मां और माटी से जुड़ा आस्था का महापर्व, हर अंत के बाद नई शुरूआत का संदेश देता है उषा अर्घ्य

संवाददाता

रांचीः लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर रांची महानगर छठ पूजा समिति के तत्वावधान में डोरंडा स्थित कृत्रिम तालाब पर विशेष आयोजन किया गया। अहले सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ ही तालाब परिसर में व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा वातावरण छठी मइया के जयकारों से गूंज उठा। व्रतियों ने पारंपरिक



विधि-विधान से उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर रांची महानगर छठ पूजा समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि छठ केवल पूजा नहीं, बल्कि मां और माटी से जुड़ा ऐसा व्रत है, जिसमें श्रद्धा, त्याग, प्रेम और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। छठी मइया की आराधना में व्रती महिलाएं अपनी पीड़ा, प्रेम और प्रार्थना को पूरी आस्था के साथ समर्पित करती हैं। उन्होंने कहा कि उषा अर्घ्य का क्षण जीवन में नई उम्मीद और नई शुरूआत का प्रतीक है।

आलोक कुमार दूबे ने कहा कि हर दीपक, हर गीत और हर अर्घ्य एक ही संदेश देता है कि जीवन बदलता रहता है, लेकिन आस्था अमर रहती है। छठ महापर्व हमें सिखाता है कि हर अंधकार के बाद प्रकाश अवश्य आता है। यह पर्व सूर्य उपासना के साथ-साथ जीवन में शुद्धता, अनुशासन, प्रकृति के प्रति सम्मान और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा भी देता है।

उन्होंने कहा कि डोरंडा में निर्मित कृत्रिम तालाब रांची शहर की एक नई परंपरा का प्रतीक बन चुका है। इसके माध्यम से उन माताओं और बहनों को भी छठ पूजा करने का अवसर मिल रहा है, जिन्हें नदी या अन्य तालाबों तक पहुंचने में कठिनाई होती है। उन्होंने राज्यवासियों को उदीयमान सूर्य के अर्घ्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ लोक आस्था, पारिवारिक एकता और सामाजिक समरसता का महापर्व है।

पर्व-त्योहारों में सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभारः इस अवसर पर आलोक कुमार दूबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले एक महीने से लगातार आयोजित हो रहे पर्व-त्योहारों के दौरान राज्य सरकार ने सुरक्षा, शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में सकारात्मक भूमिका निभाई है। उन्होंने राज्य के धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों की ओर से मुख्यमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि झारखंड ने धार्मिक सद्भाव और सामाजिक एकता की मिसाल पेश की है। यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में सहभागी बनते हैं और आपसी भाईचारे की परंपरा को मजबूत करते हैं। यही हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताकत है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार ने सभी समुदायों को अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया है।

बिरसा जयंती पर कांग्रेसजनों ने निकाली प्रभात फेरी, प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

- आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम, बिरसा मुंडा को बताया आदिवासी अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य गठन के 26 वर्ष पूरे होने के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने प्रभात फेरी निकालकर भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया और उनके संघर्ष एवं बलिदान को याद किया।

प्रभात फेरी सुबह आठ बजे जगन्नाथपुर मंदिर परिसर से शुरू होकर विधानसभा परिसर के बाहर स्थित बिरसा चौक तक पहुंची। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके बाद पूर्वाह्न 11:30 बजे बिरसा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दूबे



सहित अन्य कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए आलोक कुमार दूबे ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारत के महान जननायक, अद्वितीय स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी आंदोलन के प्रखर अग्रदूत थे। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की दमनकारी नीतियों और जमींदारी प्रथा के खिलाफ संघर्ष करते हुए जनआंदोलन को नई दिशा दी। उनका जीवन अन्याय के खिलाफ संघर्ष, सामाजिक चेतना और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की विचारधारा आज भी झारखंड के लोगों को साहस, संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देती है। राज्य की अस्मिता और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जो आंदोलन खड़ा किया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम में ओबीसी कांग्रेस के महासचिव संजीत यादव, मेंहुल दूबे, जितेंद्र सिंह, बबलू शर्मा, नितीन कुमार, सुजीत प्रसाद, सरवर आलम, नेहा कुमारी, सुन्दरी मिंज, रंजीत महतो सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। सभी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मुद्रा स्फीति दिखा सकती है अपना रौद्र रूप

अक्टूबर 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर पिछले दो वर्षों के उच्चतम स्तर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितम्बर 2026 माह में 5.54 प्रतिशत थी। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 6.63 प्रतिशत एवं 5.41 प्रतिशत की रही है। जबकि सितम्बर 2026 माह में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 6.08 प्रतिशत एवं 4.88 प्रतिशत रही थी। अक्टूबर 2026 माह में सामान्य मुद्रास्फीति की उच्च दर वाले राज्य रहे हैं - तमिलनाडु - 7.29 प्रतिशत, तेलंगाना - 7.26 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश - 7.25 प्रतिशत, मध्यप्रदेश - 7.19 प्रतिशत एवं ओड़िसा - 7.1 प्रतिशत। इसी अवधि में उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक आधारित, वर्ष दर वर्ष, खाद्य मुद्रास्फीति की दर 8.94 प्रतिशत रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सम्बंधित मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 9.09 प्रतिशत एवं 8.68 प्रतिशत रही है। अक्टूबर 2026 माह में खाद्य मुद्रास्फीति की उच्च दर वाले प्रमुख राज्य रहे हैं - आंध्रप्रदेश - 13.23 प्रतिशत, तमिलनाडु - 12.37 प्रतिशत, कर्नाटक - 12.16 प्रतिशत, तेलंगाना - 11.66 प्रतिशत एवं केरल - 10.92 प्रतिशत। मुद्रास्फीति का सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है क्योंकि इस वर्ग की आय सीमित होती है एवं विभिन्न खाद्य पदार्थों एवं अन्य उत्पादों की बढ़ती हुई कीमतें गरीब वर्ग की बचत को लगभग शून्य कर देती हैं। कई बार तो खाद्य पदार्थों की कीमतें इतने उच्च स्तर पर पहुंच जाती हैं कि गरीब वर्ग के लिए इन उत्पादों को खरीदने की क्षमता ही समाप्त हो जाती है। अक्टूबर 2026 माह में भी खाद्य मुद्रा स्फीति की दर लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गई है। किसी भी वस्तु की कीमतों में वृद्धि अथवा कमी सामान्यतः उस वस्तु की बाजार में मांग एवं आपूर्ति में अंतर के चलते होती है। जब किसी वस्तु की आपूर्ति, मांग की तुलना में कम होने लगती है तो बाजार में उस वस्तु की कीमतें बढ़ने लगती हैं। इसी प्रकार यदि किसी वस्तु की आपूर्ति बाजार में बढ़ जाती है तो उस वस्तु की कीमतें कम होने लगती हैं। हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर कई देशों के बीच युद्ध छिड़ गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध पिछले 4 वर्षों से अधिक समय से लगातार चल रहा है, इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है, अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है। अमेरिका-ईरान युद्ध ने तो खाड़ी के अन्य देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों ने सऊदी अरब के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया है। विभिन्न देशों के बीच लगातार लम्बे समय से चल रहे युद्ध का परिणाम यह हुआ है कि विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतें लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100-120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। दूसरे, उक्त युद्धों के चलते, विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हुई है, इन उत्पादों की परिवहन लागतें एवं बीमा लागतें बहुत बढ़ गई हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में विभिन्न उत्पादों की कीमतें/ लागतें आसमान छू रही हैं। उक्त युद्धों के चलते वैश्विक स्तर पर आपूर्ति चैन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिसके चलते विभिन्न उत्पादों के एक देश से दूसरे देश में पहुंचने वाली समय सीमा पर भी प्रभाव पड़ा है एवं यह बहुत अधिक बढ़ गई है। वैश्विक स्तर पर मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक द्वारा सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, ताकि बाजार में पूंजी की उपलब्धता कम हो। ब्याज दरों में वृद्धि से सामान्यजन अपनी पूंजी को बैंकों में जमा करने का प्रयास करता है क्योंकि उस जमाराशि पर उसे अधिक ब्याज मिल रहा होता है वहीं दूसरी ओर, सामान्यजन बैंकों से ऋण लेने के प्रति निरुत्साहित होता है क्योंकि बैकों से ली गई ऋणराशि पर अब उसे अधिक ब्याज देना पड़ता है। इन परिस्थितियों के बीच सामान्यजन के पास खर्च करने के उद्देश्य बहुत कम राशि बच पाती है। इससे विभिन्न उत्पादों की मांग बाजार में कम होने लगती है और उत्पादों की मांग एवं आपूर्ति में सामंजस्य स्थापित होने लगता है एवं मुद्रा स्फीति की दर कम होने लगती है। परंतु, ब्याज दर बढ़ाने के कुछ विपरीत प्रभाव भी देखने में आते हैं। ब्याज दरों के बढ़ने से विनिर्माण इकाईयों द्वारा बैकों से लिए जाने वाले ऋण पर अधिक ब्याज का भुगतान करना होता है, जिससे इन इकाईयों द्वारा निर्मित उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगती है एवं इन इकाईयों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। लाभप्रदता को बनाए रखने के लिए कई बार इन इकाईयों द्वारा श्रमिकों की छटनी जैसे कड़वे निर्णय भी लिए जाते हैं जिससे अंततः देश में बेरोजगारी बढ़ती है। दूसरे, जिस देश द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, उस देश की मुद्रा की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ने लगती है क्योंकि बढ़ती हुई ब्याज दरों के चलते विदेशी निवेश उस देश में आकर्षित होने लगता है और स्थानीय मुद्रा की मांग बढ़ जाती है। और, उस देश से विभिन्न उत्पादों के निर्यात अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगे होने लगते हैं। जबकि विभिन्न उत्पादों के आयात जरूर सस्ते होने लगते हैं। परंतु, लम्बे समय में विभिन्न उत्पादों का आयात बढ़ने एवं उत्पादों के निर्यात कम होने से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने लगती है। भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक को केंद्र सरकार की ओर से यह अधिदेश दिया गया है कि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को 2 से 6 प्रतिशत के बीच में बनाए रखा जाय, इस दर से कम अथवा अधिक होने पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पॉलिसी के माध्यम से उचित निर्णय लिए जाने चाहिए। इस संदर्भ में चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर 6 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है अतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अब भारतीय रिजर्व बैंक भी ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर सकता है। कुल मिलाकर, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करने के मार्ग में अर्थव्यवस्था को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैसे भी, खाद्य पदार्थों की महंगाई को ब्याज दरें बढ़ाकर नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। इसके लिए तो बाजार में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता होती है। दरअसल, प्राचीन भारत में, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, बाजार में विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बनाए रखने के प्रयास किए जाते रहे हैं, इससे उस खंडकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या ही नहीं दिखाई देती थी। इस संदर्भ में, प्राचीन भारत में ह्लविपुलता के सिद्धांतह्व एवं ह्लप्रतिस्पर्धा के सिद्धांतह्व का अनुपालन किया जाता था। अर्थात, बाजार में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में लगातार बनाए रखी जाती थी ताकि किसी भी उत्पाद की बाजार में कमी ही नहीं हो। दूसरे, एक ही उत्पाद को कई व्यापारियों द्वारा बेचा जाता था, ताकि बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी रहती थी एवं उत्पादों की कीमतें बढ़ नहीं पाती थीं तथा इसका फायदा उपभोक्ताओं को होता था। आज तो कई उत्पादों को बेचने का एकाधिकार केवल एक अथवा दो विक्रेताओं के पास रहता है, जिससे वह उस उत्पाद के विक्रय की दरें बढ़ाते रहते है।आज आवश्यकता इस बात की है कि मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करने के सिद्धांत के स्थान पर विपुलता के सिद्धांत एवं प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत का अनुपालन किया जाय ताकि बाजारो में विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके न कि ब्याज दरें बढ़ाकर उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाए। इससे देश में पूंजी की लागत बढ़ती है, बेरोजगारी बढने का खतरा बढ़ता है एवं सामान्यजन द्वारा बैंक से लिए जाने वाले ऋण पर अधिक ब्याज देना होता है और अंततः इससे देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

लोकतंत्र की प्राणवायु है स्वतंत्र प्रेस

पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी ह्यसंसदह्ल की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है।

(राष्ट्रीय प्रेस दिवस/16 नवंबर/विशेष)

योगेश कुमार गोयल

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवंबर को ह्यराष्ट्रीय प्रेस दिवसह्ल मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अर्ध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरुकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी और 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की, जिसने 16 नवंबर 1966 को अपना कार्य शुरू किया। उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है।

पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी ह्यसंसदह्ल की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है, जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता। अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र, जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था, जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता।

प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है, अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे, वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो, उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पदार्फाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पदार्फाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे।

पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। अतः यदि प्रेस प्रतिनिधि समाज के कमजोर व शोषित वर्ग की आवाज उठाने के बजाय निहित स्वार्थों के चलते केवल सत्ता से ही प्रेम संबंध बनाने के प्रयासों में लगा रहेगा तो यह प्रेस की विश्वसनीयता के लिए ही घातक सिद्ध होता है। बहरहाल, राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास, राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

जनजातीय लोकजीवन और लोकसंस्कृति में राम

सामान्यतः वनवास को राजमहल से निष्कासन और कठिन जीवन की अवधि के रूप में देखा जाता है, लेकिन रामकथा में यही वह समय है जब राम का संपर्क वन, पर्वत, नदियों, आश्रमों और अनेक वनवासी समुदायों से होता है। उनका जीवन राजसी वैभव से निकलकर सामान्य जनजीवन के बीच पहुँचता है।

- दीपक द्विवेदी

सगुनहि अगुनहि नहिं कछु भेदा।
गावहिं मुनि पुरान बुध बेदा॥
अगुन अरूप अलख अज जोई।
भगत प्रेम बस सगुन सो होई॥

गोस्वामी तुलसीदास की इन पंक्तियों में राम के विराट स्वरूप का दर्शन होता है, राम केवल राजमहलों के नहीं, झोपड़ियों के भी हैं; केवल नगरों के नहीं, वनों और पर्वतों के भी हैं; केवल संस्कृत के महाकाव्यों और मंदिरों में नहीं, लोकगीतों, जनजातीय आख्यानों, गाँवों की चौपालों, नदियों के किनारों और पीढ़ियों से चली आ रही स्मृतियों में भी जीवित हैं। भारत के किसी गाँव में जाइए, किसी वनवासी बस्ती में बैठिए, किसी लोक गायक से उनकी पुरानी कथा सुनिए, आपको कहीं न कहीं श्रीराम का नाम अवश्य सुनाई देगा।

सामान्यतः वनवास को राजमहल से निष्कासन और कठिन जीवन की अवधि के रूप में देखा जाता है, लेकिन रामकथा में यही वह समय है जब राम का संपर्क वन, पर्वत, नदियों, आश्रमों और अनेक वनवासी समुदायों से होता है। उनका जीवन राजसी वैभव से निकलकर सामान्य जनजीवन के बीच पहुँचता है।

वाल्मीकि रामायण का वन संसार निर्जन और निष्प्राण नहीं है। वहाँ ऋषियों के आश्रम हैं, वन्य जीवन है, नदियाँ और पर्वत हैं, विभिन्न समुदायों के निवास हैं और अपनी-अपनी जीवन-पद्धतियाँ हैं।

अयोध्या छोड़कर वन की ओर जाते हुए जब राम, सीता और लक्ष्मण श्रृंगवेरपुर पहुँचते हैं, तब निषादराज गुह उनका स्वागत करते हैं। वे राम के मित्र हैं। उनके मन में राम के प्रति इतना स्नेह है कि वे उन्हें अपने से अलग मानने को तैयार नहीं होते। एक ओर अयोध्या के राजकुमार हैं, दूसरी ओर निषाद समुदाय के राजा; लेकिन मित्रता के बीच न कोई ऊँच-नीच है, न पद का अहंकार है ।

जब रावण माता सीता का हरण कर उन्हें आकाश मार्ग से ले जा रहा था, तब वृद्ध जटायु ने उसे रोकने का साहस किया। इस संघर्ष में वे घायल होकर धरती पर गिर पड़े। जटायु राम जी को सीता के हरण की जानकारी देते हैं और अंततः प्राण त्याग देते हैं। राम स्वयं उनका अंतिम संस्कार करते हैं। जटायु की कथा हमें बताती है कि धर्म केवल अपने परिवार या समुदाय की रक्षा का नाम नहीं है। किसी अन्याय के विरुद्ध खड़े होना और संकट में पड़े व्यक्ति की सहायता करना भी धर्म है।

बेर में नहीं, प्रेम में छिपा था भक्ति का स्वाद

मतंग ऋषि के आश्रम में रहने वाली शबरी अपने गुरु के निर्देशानुसार राम के आने की प्रतीक्षा करती हैं। राम के आश्रम पहुँचते ही, लोकप्रिय रामकथा में वे बेर चख-चखकर राम को खिलाती हैं, ताकि उन्हें कोई खट्टा फल न मिले। राम उनके प्रेम को स्वीकार करते हैं।

रामायण में उनका संबंध शबर समुदाय से जोड़ा जाता है। क्षेत्रीय मान्यताओं में उन्हें भील, सावर अथवा संवर समुदाय से भी जोड़ा गया है। छत्तीसगढ़ के कुछ संवर-सांवरा समुदायों में स्वयं को शबरी का वंशज मानने की लोकमान्यता मिलती है। शबरी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि प्रेम में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। राम के लिए शबरी की कुटिया भी उतनी ही पवित्र थी, जितना अयोध्या का राजमहल।

वनवासी हुए राम अपने भगत के कारण।
पहला मिलन केवट से, केवट धोए दोनों पांव,
दूजा मिलन भई शबरी से, दर्शन दिए आए,
तीजा मिलन भई जटायु से, पहुंचाए निजधाम

रामकथा, अनेक रूपः जनजातीय लोकजीवन की रचनात्मकता : रामकथा की सबसे सुंदर विशेषता यह है कि वह भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुँचकर वहाँ की भाषा बोलने लगती है। भील, मुंडा, संथाल, गोंड, सौर, कोरकू, राभा, बोडो-कछारी, खासी, मिजो, मैतेई तथा पूर्वोत्तर के अनेक समुदायों की रामकथा परंपराओं का उल्लेख मिलता है। कार्बी, मिसिंग, दिमासा और जैंतिया जैसे समुदायों की लोककथाएँ भी इस व्यापक सांस्कृतिक परिदृश्य का हिस्सा हैं।

राम अपने हैं, इसलिए भांजे हैं-

कुछ गोंड लोक परंपराओं में माता कौशल्या को छत्तीसगढ़ की बेटी माना जाता है। इसी आधार पर राम को अपना भांजा कहा जाता है। जिस राम को पूरी दुनिया मयार्दा पुरुषोत्तम कहती है, उसी राम को कोई समुदाय अपने घर का भांजा मानकर अपनाता है।

सुमिरों धरती माता, सुमिरों बड़ा देव रे।
रामायणी के कथा कहों, सुन लेवो सब कोय रे।
अयोध्या के राज छूटे, बनवास के बारी आय।
राम लखन अउ सीता संग, जंगल डगरिया जाय
रामलला अयोध्या के, छत्तीसगढ़ के भांचा राम, तारणहार अहल्या के, शबरी के दुलारे राम ।

भिलोड़ी रामायण में लोकजीवन की सुगंध : गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के भील क्षेत्रों में रामकथा के कई रूप प्रचलित हैं। पंचमहल क्षेत्र की भिलोड़ी रामायण विशेष उल्लेखनीय है। कथा की शुरूआत गणपति, महादेव, राम, सीता, हनुमान और गुरु की स्तुति से होती है।

साथे सीता माता ने लछमन वीर चाल्या जी, वन-वन भटके रघुवर, धर्म काज पाल्या जी

सीता और धरती का आत्मीय रिश्ता- : मुंडा समाज की कुछ लोककथाओं में माता सीता के जन्म का प्रसंग अलग रूप में मिलता है। एक कथा के अनुसार अकाल से परेशान राजा जनक स्वयं खेत जोतते हैं और हल की रेखा में उन्हें एक बालिका मिलती है। वे उसका नाम सीता रखते हैं।

अयोध्या रेदो राजा दशरथ, बिर-बुरु रेदो राम-लछमन। सीता माई दो दः आगु तना,बुरु झरना रे चिलिका सुकु तना।

जहां सीता स्वयं उठा लेती हैं शिवधनुष- :झारखंड के छोटानागपुर क्षेत्र के बिरहोर समुदाय से जुड़ी रामकथा में सृष्टि की रचना सिंगबोंगा से जोड़ी जाती है। पृथ्वी का दायित्व रावण को सौंपा जाता है, लेकिन वह अत्याचारी बन जाता है। तब ईश्वर उसके अत्याचार का अंत करने के लिए मानव रूप (राम) में जन्म लेने का निर्णय करते हैं। सबसे अद्भुत प्रसंग तब आता है जब सीता आँगन की सफाई करते हुए वहाँ रखे भारी शिवधनुष को सहजता से एक ओर रख देती हैं। राजा जनक उनकी असाधारण शक्ति देखकर आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

जब राम ने शत्रु को भी पुरोहित का सम्मान दिया-

असम के कार्बी समुदाय की रामकथा छाबिन आलुन में राम युद्ध से पहले एक धार्मिक अनुष्ठान करना चाहते हैं। अनुष्ठान के लिए पुरोहित की आवश्यकता पड़ती है और रावण को बुलाया जाता है। रावण आमंत्रण स्वीकार कर पुरोहित के रूप में अनुष्ठान संपन्न कराता है। राम उसके सामने श्रद्धा से झुकते हैं। लक्ष्मण को यह देखकर क्रोध आता है कि जो रावण उनका शत्रु है, उसे इतना सम्मान क्यों दिया जा रहा है। राम समझाते हैं कि इस समय वे रावण को शत्रु के रूप में नहीं, पुरोहित के रूप में सम्मान दे रहे हैं। अनुष्ठान पूरा होने पर रावण राम को विजय का आशीर्वाद भी देता है।

पूर्वजों की स्मृतियों में रामकथा-

संथाल समाज से जुड़ी कुछ लोककथाओं में राम और रावण के युद्ध, में संथाल अपने पूर्वजों को राम की सहायता करने वाला बताते हैं। एक अन्य लोककथा में राम के संथाल क्षेत्र में ठहरने और शिवमंदिर बनवाने की बात कही जाती है।

राम रे राम, सीता रे राम, बिर बुरु रेको दाड़ान काना।

लक्ष्मण की अग्निपरीक्षा और सीता का शक्ति-स्वरूप : मध्य भारत के बैगा समाज से जुड़ी एक लोककथा में लक्ष्मण को अपनी पवित्रता सिद्ध करने के लिए अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ता है।

कुछ अन्य जनजातीय और क्षेत्रीय रामकथाओं में सीता काली का रूप धारण कर रावण अथवा अन्य दुष्ट शक्तियों का संहार करती हैं।

लोकगीतों में रामनाम : सौर समाज से जुड़ी कुछ लोकमान्यताओं में शबरी को अपना पूर्वज माना जाता है। वहीं कोरकू समुदाय के लोकगीतों में रामनाम, जीवन की नश्वरता और संसार की क्षणभंगुरता का भाव दिखाई देता है। विदर्भ और मेलघाट क्षेत्र में रामनाम से जुड़े गीतों और कथाओं का उल्लेख मिलता है।

रामकथा की एक अलग सांस्कृतिक दुनिया- :असम के कार्बी, बोडो-कछारी, राभा, मिसिंग और दिमासा समुदायों में रामकथा से जुड़े आख्यान मिलते हैं। मणिपुर में वारी लीबा अर्थात पारंपरिक कथावाचन, पेना-सकपा, खोंगजोम पर्व और जात्रा जैसी शैलियों में रामकथा के प्रसंग प्रस्तुत किए जाते रहे हैं। असमिया साहित्य में माधव कंदली की रामायण का विशेष स्थान है। शंकरदेव की रामविजय नाट्यपरंपरा भी रामकथा के क्षेत्रीय विस्तार को दिखाती है। ओजापाली और कुशनगान जैसी प्रस्तुतियों में भी रामकथा के प्रसंग मिलते हैं।

हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर 'काल' क्यों बन रहे डिवाइडर और अवरोधक?

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली असामयिक मौतों के मामले में भारत आज भी शीर्ष पर बना हुआ है। इस भयावह वास्तविकता पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने यातायात नियमों में व्यापक संशोधन किए और नियम तोड़ने वालों पर जुमार्ने व दंड का दायरा भी कई गुना बढ़ाया। यही नहीं, पिछले करीब डेढ़ दशक में देशभर में नागरिकों को कम समय में सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की दिशा में सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण और दुर्घटना संभावित 'ब्लैक स्पॉट' चिन्हित कर उन्हें दुरुस्त करने का सिलसिला लगातार जारी है।

राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों के साथ-साथ लंबी दूरियों के लिए देश में चार से छह लेन और कई स्थानों पर आठ लेन तक के आधुनिक एक्सप्रेस-वे और हाइवे का जाल बिछाया गया है। इस आधुनिक सड़क परिवहन नीति का बड़ा सकारात्मक परिणाम यह रहा है कि अब दोतरफा यातायात वाले संकरे मार्गों की तुलना में वाहनों की आमने-सामने की टक्कर (हेड-ऑन कोलिजन) की घटनाओं में काफी कमी आई है। लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू बेहद डरावना है? मसलन सवालिया तथ्य यह है कि एक्सप्रेस-वे और हाइवे पर बने डिवाइडर और किनारों पर लगे अवरोधक ही असामयिक मौतों का सबब और वाहनों में आग क्यों लग रही है? क्या इसके पीछे वाहनों की बढ़ती रफ्तार और चालकों की मानवीय लापरवाही है अथवा कोई अन्य कारण?

यदि पिछले एक दशक (लगभग 2015 से 2025-26 तक) के सड़क दुर्घटनाओं के रुझानों और सरकारी रिपोर्टों का विश्लेषण किया जाए तो एक गंभीर विरोधाभास उभरकर सामने आता है। भारत में प्रतिवर्ष औसतन साढ़े चार से पौने पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिनमें हर साल लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं, जबकि चार लाख से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल या स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाते हैं। पिछले दस वर्षों में ही भारत की सड़कों पर 15 लाख से अधिक लोगों की असमय मृत्यु हुई है, जो किसी भी महामारी या युद्ध से होने वाली क्षति से कम नहीं है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों पर गौर करें तो देश के कुल सड़क नेटवर्क में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे की हिस्सेदारी महज 2 से 3 प्रतिशत के आसपास है, लेकिन देश में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से लगभग 30 से 32 प्रतिशत हादसे और कुल मौतों में से करीब 35 से 37 प्रतिशत मौत इन्हीं राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर होती हैं। पिछले एक दशक में जैसे-जैसे एक्सप्रेस-वे की लंबाई बढ़ी है, वैसे-वैसे 'रन-ऑफ-रोड' (सड़क से उतरकर डिवाइडर या बैरियर से टकराने) और पीछे से वाहनों के टकराने (रियर-एंड कोलिजन) की घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि कुल सड़क हादसों में से लगभग 70 प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाओं के पीछे केवल 'ओवरस्पीडिंग' यानी निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज वाहन चलाना मुख्य कारण रहा है।

हाल ही में दीपावली के पर्व पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में अपने निजी वाहनों से परिवार संग त्योहार मनाने जा रहे लोग इन रफ्तार भरी सड़कों पर काल का ग्रास बन गए। दीपावली की रात उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा हाइवे पर हरियाणा के हांसी जिले से हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे छह युवा दोस्त भीषण हादसे का शिकार हो गये।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न





गंगा घाटों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भक्तिमय रहा माहौल

व्रतियों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

संवाददाता

साहिबगंज : लोक आस्था,पवित्रता, त्याग और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही पूरे श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया।साहिबगंज शहर से लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों और ग्रामीण इलाकों तक छठ महापर्व की धूम देखने को मिली।सुबह से ही गंगा घाटों,तालाबों और विभिन्न जलाशयों पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।छठी मैया के पारंपरिक गीतों,भक्ति संगीत और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के अंतिम दिन सोमवार की अहले सुबह व्रती पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर सिर पर पूजन सामग्री से भरे दउरा और सूप लेकर छठ घाट पहुंचे। 36 घंटे के निर्जला उपवास और कठिन तपस्या के बाद व्रतियों ने गंगा एवं अन्य जलाशयों में खड़े होकर दूध और गंगाजल से उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।इसके साथ ही छठी मैया और भगवान भास्कर से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि,संतान की उन्नति,खुशहाली और आरोग्य की कामना की।अर्घ्य के बाद व्रतियों ने पारण कर चार दिवसीय अनुष्ठान का विधिवत समापन किया।

गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

छठ महापर्व के अंतिम दिन साहिबगंज के बाबा घाट,बिजली घाट, शंकुतला सहाय घाट,चानन घाट, पुरानी साहिबगंज सहित विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।सूर्योदय से काफी पहले ही घाटों पर व्रतियों और उनके परिजनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।जैसे-जैसे सुबह होती गई,वैसे-वैसे घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई।हर ओर छठी मैया के गीत और भगवान सूर्य के जयकारे गूंजते रहे।घाटों पर दीपों की रोशनी,पूजा के पारंपरिक साजो-सामान और श्रद्धालुओं की उमंग ने पूरे माहौल को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

बाबा घाट पर जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों ने सपरिवार दिया अर्घ्य

शहर के प्रसिद्ध बाबा घाट पर विशेष नजारा देखने को मिला।यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा,उपायुक्त दीपक कुमार दुबे और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने भी अपने-अपने परिवार के साथ पहुंचकर पूरे श्रद्धाभाव से भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना की तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।इस दौरान घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं के बीच भी विशेष उत्साह देखने को मिला।

सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। विभिन्न घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे।गंगा नदी में सुरक्षा के मद्देनजर बांस से बैरिकेडिंग की गई थी तथा किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गोताखोरों की तैनाती की गई थी।गंगा थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मोटरबोट से लगातार गंगा नदी में गश्त करते नजर



आए।वहीं अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द और अंचलाधिकारी बासुकिनाथ टुडू ने भी मोटरबोट से विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस बल की सक्रियता से श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखा छठ का उत्साह

साहिबगंज शहर के अलावा राजमहल उधवा बरहरवा बोरियो, मंडरो,तालझारी,पतना और बरहेट सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी छठ महापर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों,नदियों और स्थानीय जलाशयों पर भी व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।कई स्थानों पर स्थानीय समितियों एवं युवाओं की ओर से घाटों की साफ-सफाई,सजावट,रोशनी और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्था की गई थी।चार दिनों तक चले इस महापर्व ने एक बार फिर साहिबगंज जिले में सामाजिक सद्भाव,पारिवारिक एकता,आपसी सहयोग और लोक संस्कृति की अनूठी मिसाल पेश की।जाति,वर्ग और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर लोगों ने एक-दूसरे के पर्व में सहभागिता निभाई।उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित होने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हो गया और पूरा जिला छठी मैया के जयकारों से गुंजायमान रहा।

भटके हुए दो बच्चे सकुशल बरामद पुलिस ने परिजनों के हवाले किया

संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों से भटके और लापता हुए दो नाबालिगों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया है।पहले मामले में, 12 नवंबर की रात कटकमसांडी थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के पास अकेले भटक रहे एक बच्चे को थाना प्रभारी ने सुरक्षित थाना लाया। कुछ भी बता पाने में असमर्थ बच्चे की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की गई, जिससे उसकी पहचान चतरा जिले के इटखोरी निवासी के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे परिजनों को बच्चा सुपुर्द कर दिया गया।दूसरे मामले में कटकमदाग थाना क्षेत्र के रेवाली निवासी महेश साव का 16 वर्षीय पुत्र दिव्यांशु कुमार 11 नवंबर से लापता था। 12 नवंबर को थाने में सनहा दर्ज होने के महज 24 घंटे के भीतर पुलिस ने तकनीकी मदद से किशोर को नवादा में ट्रेस कर सुरक्षित बरामद कर लिया और परिजनों के हवाले कर दिया।

खुले में मांस, मछली और मुर्गा नही बेच सकते: सीईओ

संवाददाता

रामगढ़ : छावनी परिषद क्षेत्र में सड़क किनारे, खुले स्थान पर या बिना उचित स्वच्छता व्यवस्था के मटन, चिकन एवं मछली बेचने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। इसे लेकर छावनी परिषद के सभागार में शहर के मांस, मछली और मुर्गा बेचने वालों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सीईओ विवेक सिंह ने किया। उन्होंने मांस मछली विक्रेताओं को कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। सभी विक्रेता को फूड सेफ्टी विभाग से लाइसेंस लेना जरूरी बताया है। सभी को स्वच्छता संबंधी नियमों को अनुपालन करना है। कहा कि ट्रेड लाइसेंस होने मात्र से दुकानदार को कहीं भी दुकान लगाने या खुले में मांस बेचने का अधिकार नहीं मिल जाता। दुकानदार को कहीं भी दुकान लगाने या खुले में मांस बेचने का अधिकार नहीं है।

जीप अध्यक्ष ने स्थानीय संवेदकों के निबंधन को प्राथमिकता देने की रखी मांग

रामगढ़ : जिला परिषद, रामगढ़ में संवेदकों के निबंधन में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने की मांग अब तेज हो गई है। रामगढ़ जिला संवेदक संघ की ओर से इस संबंध में जीप अध्यक्ष को 10 नवंबर को एक पत्र सौंपा था। संघ के दिए गए आवेदन के आलोक में जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ने उपायुक्त ऋतुराज को पत्र लिखकर मामले में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है। अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि जिला परिषद, रामगढ़ में संवेदकों के निबंधन के दौरान रामगढ़ जिले में रहने वाले संवेदकों को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पूर्व में भी जिला परिषद के निबंधन में स्थानीय संवेदकों को ही निर्बंधित किया जाता था, ताकि जिले के लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें। पत्र में उन्होंने कहा है कि रामगढ़ जिला परिषद मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में डीएमएफटी मद से विभिन्न विकास योजनाओं का क्रियान्वयन कराती है। रामगढ़ खनन आधारित जिला है और पूरा जिला खनन कार्यों से प्रभावित है। ऐसे में सरकार की ओर से खनन प्रभावित जिलों में डीएमएफटी फंड का गठन कर चिकित्सा, शिक्षा, रोजगार समेत अन्य क्षेत्रों में जिला स्तर पर योजनाएं तैयार कर उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।

शलापट्ट को असामाजिक तत्वों ने तोड़ा आखिर जिम्मेदार कौन?



साहिबगंज : शांति नगर पोखरिया रोड में बोरियो विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम द्वारा उद्घाटन किए गए शिलापट्ट को असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़े जाने का मामला सामने आया है।इस घटना से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।लोगों के बीच सवाल उठ रहा है कि आखिर सार्वजनिक कार्य से जुड़े उद्घाटन शिलापट्ट को तोड़ने वालों पर कार्रवाई कब होगी और इस घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों की पहचान करने और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

छठ महापर्व पर सेवा और समर्पण की पेश की मिसाल

पत्थर घाट पर चार दिनों तक श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे क्लब के सदस्य एवं समाजसेवी

संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड स्थित महादेवगंज के स्थानीय पत्थर घाट छठ घाट पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर जनहित क्लब महादेवगंज की ओर से चार दिवसीय छठ महापर्व के दौरान सेवा समर्पण और सामाजिक सहभागिता की अनूठी मिसाल पेश की गई।छठ महापर्व के प्रथम दिन क्लब के सदस्यों द्वारा घाट का निरीक्षण किया गया।दूसरे दिन घाट पर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाकर श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार किया गया।तीसरे दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं



की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनहित क्लब की ओर से विशेष सेवा शिविर लगाया गया।शिविर में दूध,घी, अगरबत्ती माचिस,सिंदूर,आम का दातुन,चंदन,धूप,रुई-बाती सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों का निःशुल्क वितरण किया गया।साथ ही शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी की गई।वहीं,चौथे दिन उषा अर्घ्य के पावन अवसर पर भी क्लब के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ पूजन सामग्री का वितरण किया। छठ श्रद्धालुओं के लिए शरबत एवं शुद्ध पेयजल की विशेष व्यवस्था की गई, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।जनहित क्लब महादेवगंज के सदस्यों ने बताया कि छठ महापर्व केवल आस्था और उपासना का पर्व ही नहीं, बल्कि सेवा,सहयोग,स्वच्छता और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। क्लब विगत कई वर्षों से पत्थर घाट पर इस प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता आ रहा है।इस कार्य में समाज के अनेक सहयोगी समाजसेवी एवं जनहित क्लब के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।मौके पर माखनलाल यादव अनुराग राहुल,संजय कुमार सिंह,मनोज कुमार मंडल,विकास सिंह,आनंद कुमार सिंह,संजय किरण देवी,मनोज दास,शत्रुघ्न यादव, जयराम यादव,शंभूनाथ यादव, धनंजय वैष्णव,महाराज जी बासुकीनाथ यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

दोहा विश्व चैंपियनशिप में भारत ने रचा इतिहास

2028 ओलंपिक के लिए पहले ही मुकाबले में मिले तीन कोटा

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजों ने दोहा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 के लिए तीन कोटा स्थान हासिल किए हैं। इसके साथ ही भारत ने कम से कम पिछले पांच ओलंपिक चक्रों में अपनी सबसे शानदार शुरूआती ओलंपिक क्वालीफिकेशन उपलब्धि दर्ज की है।

लंदन ओलंपिक-2012 से लेकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 तक के पांच लगातार ओलंपिक चक्रों में यह पहला अवसर है, जब भारतीय निशानेबाजों ने पहले ही क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में तीन कोटा हासिल किए हैं। खास बात यह है कि तीनों कोटा राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पधाओं में विश्व चैंपियनशिप के पदक जीतकर मिले हैं। जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला। इसके बाद नीरज कुमार ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि विवान कपूर ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को तीसरा ओलंपिक कोटा दिलाया।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्लओलंपिक चक्र की शुरूआत में ही पहली विश्व चैंपियनशिप में तीन कोटा हासिल करना इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। मुझे सबसे



ज्यादा खुशी इस बात की है कि राइफल, पिस्टल और शॉटगन तीनों स्पधाओं में पदक मिले हैं। आमतौर पर इस तरह की लय बनने में कुछ विश्व कप लग जाते हैं। ऐसे में इतनी जल्दी तीन कोटा हासिल होने से टीम पर दबाव काफी कम होगा और हमारे कोचिंग स्टाफ को लॉस एंजिलिस की तैयारी की योजना बनाने के लिए स्पष्ट दिशा मिलेगी।ह्व

दोहा में भारत का प्रदर्शन पिछले चार ओलंपिक चक्रों की शुरूआती क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं से बेहतर रहा। लंदन ओलंपिक-2012 से पहले 2010 में म्यूनिख विश्व चैंपियनशिप में भारत ने दो कोटा हासिल किए थे। रियो ओलंपिक-2016 से पहले 2014 की ग्रेनाडा विश्व चैंपियनशिप में एक कोटा मिला था। टोक्यो ओलंपिक-2020 से पहले 2018 की चांगवोन विश्व चैंपियनशिप में भारत को दो कोटा मिले थे। वहीं, पेरिस ओलंपिक-2024 से पहले 2022 में ओसिजेक शॉटगन विश्व चैंपियनशिप और काहिरा राइफल-पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में भारत ने कुल दो कोटा हासिल किए थे।

पिछले पांच ओलंपिक चक्रों में शुरूआती प्रतियोगिता में भारत के कोटा

- लंदन ओलंपिक-2012: 2010 म्यूनिख विश्व चैंपियनशिप में दो कोटा।
- रियो ओलंपिक-2016: 2014 ग्रेनाडा विश्व चैंपियनशिप में एक कोटा।
- टोक्यो ओलंपिक-2020: 2018 चांगवोन विश्व चैंपियनशिप में दो कोटा।
- पेरिस ओलंपिक-2024: 2022 ओसिजेक शॉटगन और काहिरा राइफल-पिस्टल विश्व चैंपियनशिप में दो कोटा।
- लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028: 2026 दोहा विश्व चैंपियनशिप में तीन कोटा।

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने दोहा में निशानेबाजों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, ह्लविश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करना कभी आसान नहीं होता, क्योंकि दुनिया के सभी शीर्ष निशानेबाज एक ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं। जयपाल, नीरज और विवान ने बेहद कड़े फाइनल मुकाबलों में अपना संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन से ये कोटा हासिल किए। हमारी उच्च प्रदर्शन टीम और कोचों ने इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए पर्दे के पीछे कई महीनों तक मेहनत की है। हम अगले दो वर्षों में इसी शुरूआत को आगे बढ़ाते रहेंगे।ह्व

तीन ओलंपिक कोटा के अलावा भारत ने दोहा विश्व चैंपियनशिप में कुल 13 पदकों के साथ शानदार अभियान का समापन किया। भारत ने दो स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक जीते और समग्र पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया।

सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

ढाका। गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत ने अब तक रिकॉर्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया।



शिल्पा शेट्टी के नए शो में खुलेगा रिश्तों का 'प्रेशर कुकर'

माता-पिता करेंगे कपल्स से सीधे सवाल

आजकल रिश्तों के बीच सिचुएशनशिप, घोस्टिंग, बेंचिंग और ब्रेडक्रंबिंग जैसे शब्द आम बातचीत का हिस्सा बन गए हैं। लेकिन इन शब्दों के पीछे छिपी उलझनें कई बार रिश्तों को और मुश्किल बना देती हैं। इन्हीं उलझनों को अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सुलझाती नजर आएंगी। वह जल्द ही कलर्स के नए शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो में आज की पीढ़ी के रिश्तों, कमिटमेंट को लेकर असमंजस और डेटिंग के बदलते तौर-तरीकों पर बात होगी। शो में ऐसे कपल्स को शामिल किया जाएगा, जो अपने रिश्ते को लेकर किसी न किसी मोड़ पर अटके हुए हैं। कोई कमिटमेंट को लेकर फैसला नहीं कर पा रहा, तो कोई सालों से रिश्ते में होने के बावजूद उसे आगे नहीं बढ़ा पा रहा है। शिल्पा ने शो के बारे में कहा, ''आज के रिश्तों की भाषा पहले से काफी बदल गई है। लोग रिश्तों के लिए नए-नए शब्द इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता है कि सामने वाला आखिर चाहता क्या है। रिश्ते में एक वक्त ऐसा आता है, जब दोनों को खुलकर बात करनी पड़ती है और जरूरी सवालों के जवाब देने होते हैं।'' शिल्पा ने आगे कहा, ''इस शो का फॉर्मेट मुझे सबसे ज्यादा पसंद आया है। यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जिसमें माता-पिता भी कपल्स को उनकी स्थिति का आईना दिखाएंगे। शो सिर्फ रिश्तों में उलझे युवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि उनके माता-पिता के लिए भी दिलचस्प होगा। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों के रिश्तों को लेकर कई सवाल मन में रखते हैं, लेकिन उन्हें सीधे पूछ नहीं पाते। शो में इन सवालों पर भी खुलकर बात होगी।'' उन्होंने कहा, ''शो के दौरान सभी प्रतिभागी एक ही घर में रहेंगे। यहां उन्हें उन मुद्दों पर बात करनी होगी, जिन्हें वे अब तक टालते आए हैं।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 को 1 साल पूरा

रसिका दुग्गल बोलीं- ये शो मेरे दिल के बेहद करीब है



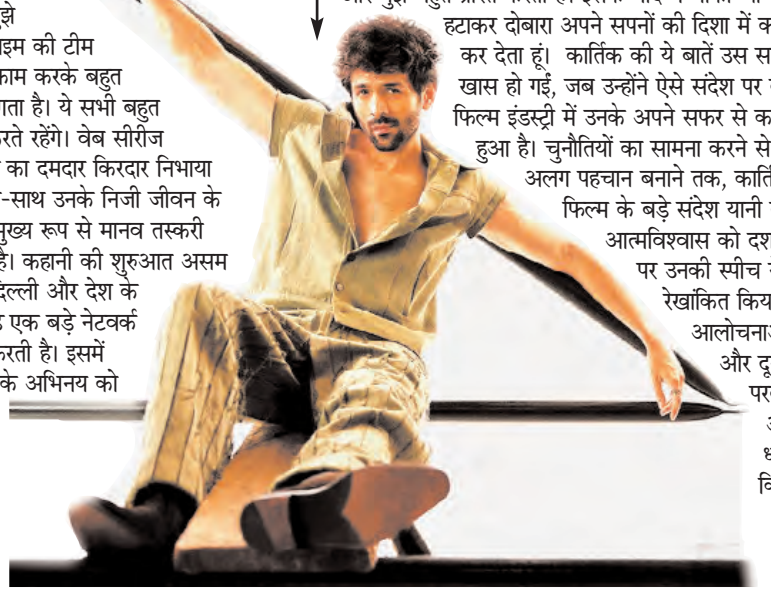
बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की क्राइम-ड्रामा वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन-3' ने अपनी रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर बताया कि यह उनके दिल के बेहद करीब है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली क्राइम के जरिए मुझे ये जानकर बहुत अच्छा लगा कि कहानी हमारी असल जिंदगी से जुड़ी है। अगर कहानियों को सच्चाई और ईमानदारी से दिखाया जाए, तो वो देश की सरहदें पार करके दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकती हैं। शो को जो प्यार और सम्मान मिला है, जिसमें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, वो मेरे लिए बहुत हौसला बढ़ाने वाला रहा है। सीजन 3 के एक साल बाद, मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मैं तीनों सीजन का हिस्सा रही और मैंने नीति सिंह को हर सीजन में आगे बढ़ते हुए देखा।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे दिल्ली क्राइम की टीम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगता है। ये सभी बहुत खास और अच्छे लोग हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आगे भी साथ में काम करते रहेंगे। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' में रसिका दुग्गल ने पुलिस अधिकारी नीति सिंह का दमदार किरदार निभाया था। उनके इस सीजन के सफर में एक कठिन और पेचीदा मामले के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्ष और ट्रॉमा को भी बहुत खूबसूरती से दिखाया गया था। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और महिला/बाल तस्करी के एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर आधारित है। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया है।

'दुनिया कुछ भी कहे, अपने सपनों पर विश्वास रखें': 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर

कार्तिक ने दिया प्रेरणादायक संदेश

मुंबई फिल्म 'आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, 'यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। ' अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म 'रॉकी' कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना 'आई ऑफ द टाइगर' मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, 'मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं। कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है।



कॉस्मेटिक सर्जरी पर श्रुति हासन का बेबाक बयान

शराब की लत पर कहा- 'आठ साल तक नहीं पी एक बूंद'

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही।

कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती। श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।'' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं।



सुनीता आहूजा के 'कोई अलग नहीं कर सकता' वाले बयान के बीच गोविंदा की 'रूपा' ने दिखाईं नजदीकियां?

राखी हुई लाल

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. कभी सुनीता के बेबाक बयान सुर्खियां बनते हैं तो कभी अभिनेता की को-स्टार कोमल रानी चर्चा में आ जाती हैं. अब कोमल ने गोविंदा के साथ कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं. इन तस्वीरों पर राखी सावंत की नाराजगी ने एक बार फिर इस पुराने मामले को हवा दे दी है.

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा की पर्सनल जिंदगी में मची उथल-पुथल अब तो जगजाहिर है. सुनीता आहूजा भी कई दफा खुल्लम-खुल्ला गोविंदा पर उन्हें धोखा देने के आरोप लगा चुकी हैं. लेकिन सुनीता ने अपने रिश्ते से हार नहीं मानी है. दिवाली पर उन्होंने उम्मीद जताई थी कि उनके घर-परिवार की खोई हुई खुशियां फिर से लौटेंगी और उन्हें कोई अलग नहीं कर सकता है. सुनीता के इस बयान के बाद लोग मान रहे थे कि गोविंदा और सुनीता के रिश्ते शायद फिर सुधर रहे हैं. लेकिन इन चर्चाओं के बीच गोविंदा की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार ने 'हीरो नं 1' के साथ फिल्म 'रूपा' से कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं. सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें देख राखी सांवत का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया. अब सोशल मीडिया पर एक बार फिर गोविंदा, सुनीता और कोमल को लेकर चर्चा तेज हो गई है. कोमल रानी स्वर्णकार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'रूपा' की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं. इनमें वह लैवेंडर रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं. वहीं, गोविंदा सफेद शर्ट, मैचिंग ब्लेजर और काले ट्राउजर में दिखाई दे रहे हैं. पोस्ट सामने आते ही लोगों की नजर इस पर टिक गई. हालांकि, राखी सावंत का रिएक्शन सबसे ज्यादा चर्चा में रहा. उन्होंने पोस्ट पर कई गुस्से वाले इमोजी देकर अपनी नाराजगी जाहिर की. राखी ने अपने रिएक्शन की कोई वजह नहीं बताई, लेकिन उनके इमोजी ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी. इन नई तस्वीरों के आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स भी पीछे नहीं रहे. कोमल के पोस्ट पर और रेडिट पर लोग मजेदार कॉमेंट कर रहे हैं. एक रेडिट यूजर ने लिखा- 'कुछ मर्दों की हद ही नहीं होती.' एक अन्य ने लिखा- 'यह सब तब हो रहा है जब पत्नी कह चुकी है कि कोई अलग नहीं कर सकता या तो यह पब्लिसिटी है या ये लोग पागल हो गए हैं!'





ऋत्विक 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' में होस्ट के तौर पर आएंगे नजर

अभिनेता ऋत्विक धनजानी, सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' में कुछ समय के लिए होस्ट की भूमिका निभाएंगे। सूत्रों ने विशेष रूप से बताया कि जब आदित्य अपने इंटरनेशनल प्रोग्राम्स के सिलसिले में बाहर रहेंगे, तब ऋत्विक शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, यह एक अस्थायी व्यवस्था है और आदित्य ही शो के मुख्य होस्ट बने रहेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब आदित्य, अपने पिता और दिग्गज गायक उदित नारायण के साथ, कई अंतरराष्ट्रीय संगीत कार्यक्रमों की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में उदित नारायण ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने बेटे के साथ अंतरराष्ट्रीय दौरे पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने फिलीपींस रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 नवंबर को मनीला में आयोजित होने वाले 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस रवाना हो गए। वो फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, भारत के आसियान देशों के साथ संबंध उसकी एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में हैं और महासागर दृष्टिकोण में भी इनका महत्वपूर्ण स्थान है। भारत और आसियान देशों के संबंध सदियों पुराने सभ्यतागत आदान-प्रदान पर आधारित हैं। वर्तमान में यह साझेदारी



व्यापार, संपर्क, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों तक विस्तृत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में वह व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति को आगे बढ़ाने और विकास, संपर्क तथा समृद्धि के साझा लक्ष्यों को नई गति देने के लिए अन्य नेताओं के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर संवाद का महत्वपूर्ण मंच है। इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सहयोग मजबूत करने के मुद्दों पर भाग लेने वाले नेताओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री फिलीपींस में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा आसियान के साथ भारत की साझेदारी को नई ऊर्जा देगी और शांतिपूर्ण, समृद्ध तथा सुदृढ़ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा संकल्प को मजबूत करेगी।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने साथ समापन



एजेंसी

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के मौके पर पटना से लेकर भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गयाजी और दरभंगा तक छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। चार दिवसीय इस महाअनुष्ठान के चौथे दिन सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व का समापन हो गया। आज चौथे दिन उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया गया। राजधानी पटना समेत तमाम छठ घाटों पर लाखों की संख्या में छठ व्रतियों ने छठ पूजा की और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह जिले मुंगेर के तारापुर स्थित पैतृक गांव लखनपुर में सोमवार सुबह परिवार के साथ पारंपरिक विधि-विधान से उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री रविवार देर रात पटना से सड़क मार्ग के जरिए लखनपुर पहुंचे थे। गांव के लोगों में मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खासा उत्साह देखने को मिला।

पुंछ में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि, सेना को करनी पड़ी गोलीबारी

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगली इलाके में संदिग्ध गतिविधि दिखने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों के अनुसार, सवजियन सेक्टर के कनारी इलाके में सीमा पर तैनात जवानों ने रात करीब 1:30 बजे कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने बताया कि जवानों ने छोटे हथियारों से करीब दो दर्जन गोलियां चलाईं और इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी ताकि सीमा पार से आतंकवादियों की किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि दिन की पहली रोशनी के साथ ही एक तलाशी अभियान शुरू किया गया जो आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जारी था।आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

यूपी में सपा के साथ सीट बंटवारे पर कांग्रेस की खरगे के आवास पर बैठक

राहुल, प्रियंका समेत यूपी के नेता रहे मौजूद

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठक की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में प्रदेश की राजनीतिक स्थिति, संगठन और आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ गहन चर्चा हुई। आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई



दिशा देंगे। प्रदेश की जनता सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस, इंडी गठबंधन के साथ मिलकर प्रदेश की जनता के सामने मजबूत विकल्प प्रस्तुत करेगी। उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर 17 नवंबर को बैठक होनी है। इसमें दोनों दलों के नेता सीटों की संख्या और गठबंधन के फामूर्ले पर चर्चा करेंगे। कांग्रेस की ओर से अब तक 181 सीटों पर दावेदारी की बात सामने आई है। सपा का जोर सीटों के बंटवारे में उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता को आधार बनाने पर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कांग्रेस की 181 सीटों पर दावेदारी का उल्लेख किया था। इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम बराबरी और सम्मान के आधार पर गठबंधन की बात कह चुके हैं। कांग्रेस की ओर से 200 सीटों तक दावेदारी की चर्चा भी सामने आती रही है, जबकि सपा की ओर से कांग्रेस को 50 से 60 सीटें देने की बात कही जा रही है।

उत्तर प्रदेश के 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 403 में से 399 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी को केवल दो सीटों पर जीत मिली थी और चार सीटों पर उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे थे। पार्टी के 387 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। कांग्रेस को पूरे प्रदेश में करीब 21.51 लाख वोट मिले थे। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

अमित शाह ने पुणे में अजित पवार की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय पुणे दौरे के दूसरे दिन सोमवार को स्व. अजित पवार की प्रतिमा का अनावरण किया। पुणे जिला परिषद की पहली मंजिल पर आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री शामिल हुए। समारोह के दौरान पुणे जिला परिषद के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम भी अजित पवार के नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार को आना



था, लेकिन वे समारोह में नहीं आए पाए। उनकी जगह सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अजित पवार को श्रद्धांजलि देने के लिए नेहरू मेमोरियल हॉल में एक संक्षिप्त सभा हुई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत नेता को याद किया। यह कार्यक्रम को केवल एक श्रद्धांजलि समारोह के रूप में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस कार्यक्रम को लेकर पुणे जिला परिषद परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट मिडलटन मुंबई पहुंचे

एजेंसी

मुंबई। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस केट मिडलटन तीन दिवसीय भारत दौरे पर सोमवार को मुंबई पहुंचे।बैलार्ड एस्टेट में सचिन तेंदुलकर और स्थानीय युवाओं के साथ गली क्रिकेट खेलना उनके दौरे का खास आकर्षण रहा।

ब्रिटेन के शाही दंपति अर्थशॉट प्राइज समारोह में शामिल होने के बाद दोनों बुधवार को दिल्ली रवाना होंगे, जहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बैठक होगी।शाही दंपति की आवागमन को देखते हुए मुंबई में यातायात व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 16 से 19 नवंबर तक दक्षिण मुंबई के कई हिस्सों में प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, पुलिस की सार्वजनिक सूचना में कुल डायवर्ट किए गए रूटों की निश्चित संख्या नहीं बताई गई है। प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं

- हुतात्मा राजगुरु चौक और फ्री प्रेस रोड पर वीआईपी वाहनों के लिए विशेष व्यवस्था।
- शहीद भगत सिंह मार्ग से बल्लार्ड पियर की ओर जाने वाले रास्ते पर सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित।
- एन. मोरारजी रोड पर सामान्य उत्तर-दक्षिण यातायात बंद।
- एनसीपीए के आसपास विनय के. शाह मार्ग और दोराबजी टाटा रोड पर पार्किंग प्रतिबंध।
- एम्बुलेंस, दमकल और पुलिस वाहनों को छूट दी गई है।
- 17 नवंबर : मुंबई में छठा अर्थशॉट पुरस्कार समारोह। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु समाधान के क्षेत्र में काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।
- 18 नवंबर : नई दिल्ली रवाना होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात प्रस्तावित है।
- मुंबई में क्रिकेट, फैशन और फिल्म जगत से जुड़े कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रहेगी

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार सेंसेक्स 673 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी एवं छठ पूजा के समापन पर आज शेयर बाजार के दोनों प्रमख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 673 अंक उछलकर 82,153 पर और निफ्टी 165 में स्तर पर कारोबार कर रहा है।

फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 673.34 अंक यानी 0.83फीसदी की तेजी के साथ 82,265.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एकसचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 182.15 अंक यानी 0.72 फीसदी की उछाल के साथ 25,326.45 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।

शेयर बाजार में इस बढ़त में इंफोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी बड़ी आईटी कंपनियों ने अहम भूमिका निभाई है। इनके साथ ही स्टेट बैंक ऑफ



इंडिया (एसबीआई), कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस जैसे बड़े बैंकों के शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है।

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि विदेशी निवेशकों का जोरदार निवेश और उम्मीद से बेहतर कंपनियों के नतीजे इस उछाल को ऊर्जा दे रहे हैं। हालांकि, सभी सेक्टर्स में ऐसा नहीं रहा। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और टाटा स्टील जैसी कंपनियों के शेयर गिरे भी, लेकिन भविष्य में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद के चलते दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

इसके अलावा रुपया शुरूआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर (शुक्रवार) को शेयर बाजार लगातार तीन दिन की तेजी के बाद गिरावट बंद हुआ था। सेंसेक्स 318.56 अंक यानी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 81,592.45 के स्तर पर और निफ्टी 155.05 अंक यानी 0.61 फीसदी की गिरावट के साथ 25,144.30 के स्तर पर बंद हुआ था।

थाईलैंड के फुकेत प्रांत में आग लगने से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

फुकेत (थाईलैंड)। थाईलैंड के प्रमुख प्रांत फुकेत में सोमवार तड़के काथू जिले के ताम्बोन पातोंग में आग लगने से पांच दुकानें (शॉपहाउस) जलकर खाक हो गईं। धुएं और आग की लपटों में फंसकर 11 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य झुलस गए। यह घटना राजधानी बैंकॉक से लगभग 860 किलोमीटर दक्षिण में हुई है। फुकेत थाईलैंड का सबसे बड़ा द्वीप है। यह देश के दक्षिणी पश्चिमी तट पर अंडमान सागर में स्थित है।

बैंकॉक पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार आग फांगमुआंग साई कोर रोड पर सोमवार तड़के करीब 3:15 बजे लगी। सड़क किनारे लगा ट्रांसफॉर्मर फट गया और आग की लपटें मोटरसाइकिल किराये पर देने वाली दुकान के सामने स्थापित फ्यूल डिस्पेंसर (ईंधन मशीन) तक पहुंच गईं। मृतकों में आठ महिलाएं और तीन पुरुष



शामिल हैं। झुलसे लोगों में 12 महिलाएं और चार पुरुष हैं। इनमें से एक व्यक्ति म्यांमार और बाकी सभी थाईलैंड के थे।

फुकेत पुलिस कमांडर मेजर जनरल सुराचाई सुकसाई ने बताया कि हमारे पास सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाह मौजूद हैं। उन्होंने आग लगाए जाने की संभावना को खारिज कर दिया है। फुकेत के गवर्नर चोटेनरिन केर्डसोम ने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि तूफान के दौरान मोटरसाइकिल की दुकान के सामने लगे सब स्टेशन के बिजली के खंभे पर शॉर्ट सर्किट हुआ होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

तिरुप्परंकुंद्रम सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपोत्सव शुरू, 24 नवंबर को प्रज्ज्वलित होगा महादीप



मदुरै। भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में प्रथम तिरुप्परंकुंद्रम स्थित सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में सोमवार सुबह ध्वजारोहण के साथ प्रसिद्ध 10 दिवसीय कार्तिगई दीपोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान मुरुगन के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। उत्सव के पहले दिन तड़के भगवान सुब्रमण्यम स्वामी और देवी देवयानी के उत्सव विग्रह का दूध, चंदन, पंचामृत सहित 16 प्रकार की पूजन सामग्रियों से विशेष अभिषेक किया गया। इसके बाद दोनों को स्वर्ण मयूर वाहन पर विराजमान कर कंबत्तडी मंडप लाया गया। ध्वजारोहण से पहले मंदिर के कंबत्तडी मंडप स्थित ध्वज स्तंभ का पवित्र जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद स्तंभ को कुश घास, आम के पत्तों, चंदन और कुमकुम से सजाया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच सुबह 7 बजकर 14 मिनट पर स्वर्णमंडित ध्वज स्तंभ पर ध्वजारोहण किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही 10 दिवसीय उत्सव की औपचारिक शुरूआत हुई। उत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह भगवान सुब्रमण्यम स्वामी देवी देवयानी के साथ स्वर्ण पालकी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। वहीं, शाम को स्वर्ण मयूर, रजत भूत, हंस और शेष सहित विभिन्न वाहनों पर नगर भ्रमण करेंगे। इस दौरान मंदिर की सड़कों पर निकलने वाली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्तिगई दीपोत्सव के तहत 23 नवंबर (सोमवार) को पट्टाभिषेक समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके अगले दिन 24 नवंबर (मंगलवार) को सुबह रथोत्सव होगा। शाम को तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी के शिखर पर कार्तिगई महादीप प्रज्ज्वलित किया जाएगा। इसके बाद 16 स्तंभों वाले मंडप क्षेत्र में पारंपरिक सोक्कप्पनै दीप दर्शन का आयोजन होगा।

भारत, चीन और इजराइल के लिए नियुक्त नेपाल के नए राजदूतों को राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ



काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने सरकार की सिफारिश पर तीन देशों के लिए नेपाल के नए आवासीय राजदूतों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने भारत, चीन और इजराइल के लिए नए राजदूत नियुक्त करते हुए सोमवार को उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ भी दिलाई। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार राष्ट्रपति पौडेल ने भारत के लिए डॉ. निश्चलनाथ पांडेय, चीन के लिए डॉ. कल्याण राज शर्मा और इजराइल के लिए सुरेश कुमार कर्ण को नेपाल का आवासीय राजदूत नियुक्त किया है। यह नियुक्तियां नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 282 की उपधारा (1) के तहत की गई हैं। संविधान के इस प्रावधान के अनुसार राष्ट्रपति नेपाल सरकार और मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर विदेशों में नेपाल के राजदूतों की नियुक्ति करते हैं। राष्ट्रपति पौडेल ने सोमवार को ही काठमांडू स्थित राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास में एक विशेष समारोह के दौरान तीनों नवनियुक्त राजदूतों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तीन महत्वपूर्ण देशों में राजदूतों की नियुक्ति को नेपाल की कूटनीतिक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खासकर भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों में नए राजदूतों की नियुक्ति से दोनों देशों के साथ नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों, कूटनीतिक संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी इन राजदूतों पर होगी। इजराइल में नियुक्त राजदूत नेपाल और इजराइल के बीच द्विपक्षीय संबंधों तथा सहयोग को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

बांग्लादेश में बीएनपी नेताओं के घर, दफ्तर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़, आगजनी



ढाका (बांग्लादेश) । देश के गोपालगंज के तुंगीपाड़ा उपजिला में रविवार को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उससे जुड़े संगठनों के कई नेताओं और समर्थकों के घरों, पार्टी कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई और उनमें आग लगा दी गई। बीएनपी नेताओं का आरोप है कि दोपहर से उपजिला के अलग-अलग इलाकों में प्रतिबंधित अवामी लीग, जुबो लीग और छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने ये हमले किए। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे डूमुरिया यूनियन के पाकुरतिया बाजार में अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला। इसके बाद उन्होंने पाकुरतिया मदरसे के पास बीएनपी समर्थकों के दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगा दी। दोपहर करीब 3:30 बजे एक दूसरा जुलूस निकला। इस दौरान पाटगाती बाजार में जुबो दल के कार्यालय में तोड़फोड़ करने के बाद उसमें आग लगा दी गई। बताया गया है कि शाम करीब चार बजे हमलावरों ने श्रीरामकांडी में उपजिला स्वेच्छासेवक दल के पूर्व संयोजक जसीम शेख के घर को आग लगाकर फूंक दिया। इसके एक घंटे बाद गवरडांगा के चौरंगी चौराहे पर बीएनपी समर्थक महमूद बिस्वास की एक दुकान में आग लगा दी गई। उसी समय, तुंगीपाड़ा बाजार में नगर बीएनपी के संगठनात्मक सचिव अबू जफर खान के एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में भी तोड़फोड़ की गई। बाद में, रात करीब आठ बजे पाटगाती बाजार में नगर बीएनपी के अध्यक्ष इमदाद मोल्ला के घर में तोड़फोड़ की गई और उसमें आग लगा दी गई। उसी समय नगर बीएनपी के संगठनात्मक सचिव गोपाल सरकार के घर में भी तोड़फोड़ की गई। रिपोर्ट के अनुसार, रात करीब 8:30 बजे प्रतिबंधित छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने पाटगाती मध्यपारा गांव में नगर छात्र दल के संयोजक येन मुंशी के घर में तोड़फोड़ की। इसके बाद रात करीब 9 बजे तुंगीपाड़ा के पाटगाती में ग्रामीण बैंक की एक शाखा में आग लगा दी गई। तुंगीपाड़ा नगर बीएनपी अध्यक्ष इमदाद मुल्ला ने कहा, 'बांग्लादेश एक लोकतांत्रिक देश है।

फतेहाबाद: फ्रिज का कंप्रेसर फटने से घर में लगी आग, बुजुर्ग की मौत, पत्नी गंभीर

फतेहाबाद, । फतेहाबाद शहर की नहर कॉलोनी में रविवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में घर में रखे फ्रिज का कंप्रेसर फटने से भीषण आग लग गई और जहरीला धुआं फैल गया। इस भयानक हादसे में बुजुर्ग व्यक्ति गुरदेव गोयल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी उषा गंभीर रूप से झुलस गईं। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक गुरदेव गोयल, जो अनाज मंडी में काम करते थे और पिछले 8 वर्षों से काम छोड़ चुके थे और उनकी पत्नी उषा इस मकान में अकेले रहते थे। उनके दोनों बेटे रूपेंद्र और राकेश काम के सिलसिले में हिसार और लुधियाना में रहते हैं। बीती रात घर पर काम करने वाली महिला कुक खाना बनाकर चली गई थी, जिसके बाद दंपती ने खाना खाया और अपने कमरे में सोने चले गए। बताया जा रहा है कि कमरे में दो सिंगल बेड के बीच फ्रिज रखा हुआ था।

सीढ़ी छठ घाट पर विधायक सुखराम उरांव ने भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य, क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना

विधायक के प्रयास से पहली बार बनारस के विद्वान पंडितों ने की भव्य गंगा आरती, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

संवाददाता

चक्रधरपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर चक्रधरपुर छठ पूजा केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव ने सीढ़ी छठ घाट पर विधि-विधान के साथ छठी मैया एवं भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना कर अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की कामना की।

इस वर्ष चक्रधरपुर के छठ महापर्व को विशेष और यादगार बनाने के लिए विधायक सुखराम उरांव के प्रयास से पहली बार बनारस से आए विद्वान पंडितों द्वारा भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। गंगा आरती के दिव्य एवं मनमोहक दृश्य को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु सीढ़ी छठ घाट पहुंचे। आरती के दौरान पूरा घाट भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विधायक सुखराम उरांव के सौजन्य से छठ पूजा की आवश्यक सामग्री का भी वितरण किया गया। पूरे चक्रधरपुर के नदी घाटों को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं भव्य तरीके से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की कृपा से चक्रधरपुर सहित पूरे क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे, यही हमारी कामना है। इस वर्ष बनारस के विद्वान पंडितों द्वारा गंगा आरती का आयोजन कराने का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में एक विशेष अनुभव प्रदान करना था। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कमेटी सदस्यों, प्रशासन, पुलिसकर्मियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधायक सुखराम उरांव के नेतृत्व एवं सौजन्य से चक्रधरपुर में छठ महापर्व श्रद्धा, भक्ति, उत्साह और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न हुआ। इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता देखने को मिली।



छठ पर खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप ने लगाया सेवा शिविर, व्रतियों के बीच वितरित की पूजन सामग्री एवं फल

तोरणद्वार और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे मंच के सदस्य

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर खुला मंच व्हाट्सऐप ग्रुप की ओर से इस वर्ष भी स्थानीय सुभाष चंद्र बोस चौक (सद्दीक चौक) पर सेवा शिविर लगाया गया। इस दौरान छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच फल तथा पूजा-अर्चना से संबंधित आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।



महापर्व के अवसर पर चौक की सुंदरता और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंच की ओर से आकर्षक तोरणद्वार एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था भी की गई थी। पूरे आयोजन के दौरान मंच के सदस्य सेवा और सहयोग की भावना के साथ सक्रिय रहे। मंच के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि ने कहा कि छठ महापर्व हमारी लोक आस्था, सामाजिक समरसता और सेवा भावना का प्रतीक है। ऐसे पावन अवसर पर जरूरतमंद व्रतियों और श्रद्धालुओं की सेवा करना मंच के लिए सौभाग्य की बात है।

मंच के एडमिन रजनीश सिंह ने पूरे कार्यक्रम के दौरान सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए आयोजन के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में मंच के सदस्यों ने पूरी तत्परता और समर्पण के साथ सेवा कार्य को संपन्न किया।

इस अवसर पर मंच के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी नवीन तिवारी, कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष रितेश कुमार टिंकू, ललन सिन्हा, अविनाश देव, अमर सहाय, चंद्रशेखर सिंह छोटू, संतोष कुमार, संजीव कुमार, सुमीत पाण्डेय, आनंद मोहन, छोटू त्रिपाठी, नितिन दूबे, नवीन शरण, ज्योति प्रकाश, चंदन पाल सिंह, नीरज राज, विकास गुप्ता, इस्लाम, सरफराज, आदित्य नमन, अमृत राज व अराध्या कुमारी सहित मंच के कई सदस्य उपस्थित थे। खुला मंच का यह सेवा प्रयास एक बार फिर इस संदेश को सशक्त करता नजर आया कि त्योहारों की असली खूबसूरती केवल उत्सव मनाने में नहीं, बल्कि दूसरों की खुशियों में सहभागी बनने और जरूरत के समय उनके साथ खड़े रहने में है।

लायर्स क्लब ने नदी किनारे लगाया सहायता शिविर

जमशेदपुर : मानगो छठ घाट पर श्रद्धालुओं की सेवा एवं सहायता के लिए लायर्स क्लब और जिला बार संघ से जुड़े अधिवक्ताओं ने सेवा शिविर का आयोजन किया, जहां फर्स्ट एड सुविधा के साथ श्रद्धालुओं को फल,अगरबत्ती, माचिस, कपूर, गाय का दूध, आमदातुन एवं अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराया गया।

सूने क्वार्टर से 15 लाख के गहने और मोबाइल चोरी

जमशेदपुर : साकची थाना क्षेत्र के जेल चौक के पास चोरों ने डीसी ऑफिस के क्लर्क बबलू कुमार के सूने क्वार्टर को निशाना बनाया। चोर करीब 15 लाख रुपये के सोने के आभूषण और एक मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। घटना रविवार शाम की है। बताया जाता है कि बबलू कुमार का पूरा परिवार छठ महापर्व पर संध्या अर्घ्य देने नदी घाट गया हुआ था। इसी दौरान घर को सूना पाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

छठ की हर सामग्री में समाहित है प्रकृति, धर्म और विज्ञान का संदेश : संजीव कुमार सिंह

संवाददाता

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने छठ महापर्व के शुभारंभ पर देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का अनुपम संगम है। पूजा में इस्तेमाल होने वाली प्रत्येक सामग्री अपने भीतर धार्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व समेटे हुए है।



उन्होंने कहा कि नहाय-खाय से शुरू होने वाला चार दिवसीय छठ महापर्व त्याग, तपस्या, अनुशासन और आत्मसंयम का प्रतीक है। खरना, संध्या अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा श्रद्धा एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है।

संजीव कुमार सिंह ने कहा कि बाँस का सूप-दउरा, ठेकुआ, मौसमी फल, गन्ना, नारियल और मिट्टी के बर्तन छठ की परंपरा के साथ स्थानीय कारीगरों, किसानों और छोटे व्यवसायियों की आजीविका से भी जुड़े हैं। वहीं मिट्टी के चूल्हे और दीपक प्राकृतिक जीवनशैली एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं।

उन्होंने कहा कि छठ की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक समरसता है। इस पर्व में जाति-वर्ग का भेद मिटाकर सभी लोग घाटों की सफाई, पूजा की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सेवा में जुटते हैं। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से निकलकर आज छठ की पहचान विश्वभर में स्थापित हो चुकी है।

अंत में उन्होंने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि यह महापर्व समाज में प्रेम, भाईचारे और एकता की भावना को और मजबूत करे।

गुरुद्वारा नानक दरबार में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई मघर महीने की संगरांद

ग्रंथी हरभजन सिंह जी ने किया बारह माह का पाठ, मधुर कीर्तन से संगत को किया निहाल

रांची : गुरुद्वारा नानक दरबार में नानकशाही संवत के अनुसार मघर महीने की शुरूआत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा के ग्रंथी हरभजन सिंह जी ने बारह माह का पाठ किया। इसके उपरांत उन्होंने अपनी मधुर आवाज में साज के साथ कीर्तन कर उपस्थित साध संगत को निहाल किया।

इस दौरान ग्रंथी हरभजन सिंह जी ने मघर महीने का पावन श्लोक सुनाया–

मघर माह सोहंदिआ
हरि पिर संगि सैठणिआह।

ग्रंथी हरभजन सिंह जी ने समस्त साध संगत की सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य, खुशहाली एवं चढ़दी कला के लिए अरदास की।

इस अवसर पर गुरुद्वारा के अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर ने साध संगत को संबोधित करते हुए कहा कि मघर का यह पावन महीना सभी के जीवन में सुख, शांति एवं खुशियां लेकर आए। वाहेगुरु जी अपनी कृपा सभी पर बनाए रखें और सभी को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन प्रदान करें। उन्होंने बताया कि आगामी 24 नवंबर को श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में संगत के बीच कड़ाह प्रसाद एवं अल्पाहार वितरित किया गया। इस प्रकार वाहेगुरु जी के जयकारों और खुशियों के बीच मघर महीने की संगरांद का कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।



गोपाष्टमी के दिन हनुमान मंदिर में अन्नकूट प्रसाद का होगा वितरण



चक्रधरपुर : शहर के हृदयस्थली के रूप में पहचाने जाने वाला बाटा रोड़ स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर श्रीराम लक्ष्मण जानकी श्री सिद्धेश्वर हनुमान जी महाराज का 17 नवंबर दिन मंगलवार अष्टमी को संध्या 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक व्यापक रूप से प्रसाद का वितरण किया जाएगा। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए विश्वनाथ पाठक ने सभी भक्तजनों, श्रद्धालुओं से नम्र निवेदन करते हुए कहा है कि उक्त तिथि को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण करें। विदित हो कि मंदिर प्रांगण में अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया जाता है।

प्रधानमंत्री ने सम्राट चौधरी को जन्मदिन पर पत्र भेजकर दी बधाई

संवाददाता

पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उनके जन्मदिन के अवसर पर पत्र भेजकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री की ओर से 12 नवंबर 2026 को जारी पत्र में 16 नवंबर को पड़ने वाले मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, सुख और दीर्घायु जीवन की कामना की गई है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राष्ट्र और समाज के हित में सम्राट चौधरी द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य उनके जीवन को यश और गौरव से परिपूर्ण करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री के अनुभव, समर्पण और दूरदर्शिता की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

प्रधानमंत्री ने पत्र में विकसित भारत के निर्माण और 'शक्ति की साझेदारी' के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में बिहार की सामर्थ्य, संसाधनों और जनशक्ति को नए आयाम देने के प्रयासों में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

अंत में प्रधानमंत्री ने एक बार फिर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की।

छठ घाटों की साज-सज्जा से खुश हुए मुख्यमंत्री, लेकिन व्रतियों की परेशानी देख अधिकारियों पर जताई नाराजगी

संवाददाता

पटना : राजधानी पटना में छठ महापर्व के अवसर पर घाटों की साज-सज्जा और व्यवस्था का जायजा लेने मुख्यमंत्री ने स्वयं विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। शुरूआती दौर में घाटों की आकर्षक सजावट और शहर की व्यवस्था देखकर मुख्यमंत्री संतुष्ट नजर आए, लेकिन व्रतियों को अर्घ्य देने में हो रही परेशानियों को देखकर उन्होंने अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने व्रतियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से सवाल किया कि जब छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया था, तो फिर व्रतियों को अर्घ्य देने में इतनी मशक्कत क्यों करनी पड़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल शहर की साज-सज्जा से व्यवस्था बेहतर नहीं मानी जा सकती, बल्कि घाटों पर व्रतियों को पर्याप्त जगह और सुरक्षित सुविधाएं मिलना भी जरूरी है।

घाटों की स्थिति से जुड़ी तस्वीरों में भीड़ और अव्यवस्था के बीच व्रतियों को दउरा, कोसी और पूजा सामग्री के साथ घाट तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करते देखा गया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, दीघा घाट के आसपास श्मशान में अंतिम संस्कार के दौरान उठने वाले धुएं के कुछ छठ घाटों तक पहुंचने का मामला भी सामने आया। इस संबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी मिली या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी।





इधर, मौसम में अचानक बदलाव ने भी छठ व्रतियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। मौसम परिवर्तन के कारण घाटों पर पूजा करने पहुंचे श्रद्धालुओं को अतिरिक्त परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसे में सरकारी तैयारियों और जमीनी व्यवस्था के बीच अंतर को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

छठ जैसे लोकआस्था के महापर्व में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए घाटों पर पर्याप्त जगह, स्वच्छता, सुरक्षा और सुगम आवागमन की व्यवस्था बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि छठ घाटों की व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब सवाल यह है कि निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के लिए प्रशासन ने कितने प्रभावी कदम उठाए।

बेहोश हुई महिला को ट्रस्ट के सदस्यों ने पहुंचाया सुरक्षित शिविर तक

जमशेदपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से आजादनगर थाना शांति समिति द्वारा जीसस भवन पंप हाउस गेट के समीप सहायता शिविर लगाया गया। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक उपचार, एंबुलेंस और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई थी।इस दौरान घाट से लौट रही एक महिला पैर में चोट लगने के कारण अचानक चक्कर आने से बेहोश होकर गिर गईं। मौके पर मौजूद ट्रस्ट के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित शिविर तक पहुंचाया और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। इस सेवा कार्य में ट्रस्ट अध्यक्ष मतीनुल हक अंसारी, मुख्तार आलम, सैयद मंजर अमीन, सरदार गुरुचरण सिंह, नौशाद आलम, फिरोज आलम, शाहिद परवेज सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं का योगदान रहा।